Size: H: 240 W:65mm

PYRAZOSULFURON-ETHYL 70 % WDG

SIRIUS

(Systemic Herbicide)

(FOR IMPORT ONLY)

Pyrazosulfuron-ethyl 70 % WDG is a selective, systemic, pre emergence and early post emergence herbicide and is recommended for its use to control various weeds in rice.

APPLICATION & RECOMMENDATION FOR USE:

Pyrazosulfuron-ethyl 70 % WDG is recommended for the control of following weeds in rice.

Use Recommendations:-

Crop (s)	Common Name of weeds	Dosage per hectare		Dilution in water (Ltr)	Waiting period from last spray to harvest (in days)
		A.I. (g)	Formulation (g)		
Rice	1. *Echinochloa colona,* 2. *Echinochloa crusgalli,* 3. *Cyperus rotundus,* 4. *Monochoria vaginalis,* 5. *Ludwigia parviflora,* 6. *Marsilea quadrifolia*	21	30	500	43

TIME OF APPLICATION:

Spray should be given, before emergence of weeds, at four to seven days after the transplanting of rice seedlings.

METHOD OF APPLICATION:

Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified with thorough agitation. Spray by suitable sprayer viz. Knapsack Sprayer fitted with herbicidal nozzle (Flat fan Nozzle). Use 500 liters of water per hectare.

PHYTOTOXICITY:

The product is non-phytotoxic when used as per recommendation.

PRECAUTIONS:

1. Do not use cooking utensils for preparing sprays.
2. Do not use bare hands for stirring spray solution. Use stick for stirring the spray solution.
3. Keep away from children, foodstuffs, animal feeds, heat and open flame.
4. Avoid inhalation and contact with eyes.
5. Wear hand gloves, protective clothing, mask, goggles, boots, while spraying to avoid contact with skin.
6. Spray insecticide only in the direction of wind blowing and not against it so as to prevent the settling of the drift on the body.
7. Do not blow nozzle with mouth.
8. Do not eat, drink or smoke while handling or applying the product.
9. Clean sprayers, buckets and other utensils with water daily after use.
10. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Also wash the contaminated clothes.

SYMPTOMS OF POISING:

Diarrhoea, respiratory distress, excessive lacremation and salivation.

FIRST AID MEASURES:

1. In case of poisoning by ingestion, victim should be induced to vomit by giving table spoon of salt in warm water. Repeat till vomit fluid is clear. If necessary, give gastric lavage with 5% sodium bicarbonate solution.
2. Wash contaminated skin with plenty of soap and water and remove contaminated clothes and keep the victim in fresh air.
3. If eyes are contaminated, flush eyes thoroughly with water for at least five minutes and refer to doctor.
4. Call physician immediately and if necessary take patient to the nearest hospital.

ANTIDOTE:

No specific antidote. Treat symptomatically and supportively.

STORAGE:

1. The rooms or premises meant for storing herbicides shall be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to prevent environmental contamination with vapour.
2. The package containing herbicides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly other articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicides.

DISPOSAL OF USED PACKAGES, SURPLUS MATERIALS AND WASHINGS OF HERBICIDE:

1. Packages or surplus material and washings from the machines and container should be disposed in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use.
3. The packages shall be broken and buried away from habitation and source of water.

CHEMICAL COMPOSITION:

Pyrazosulfuron ethyl a.i (98% w/w min)	71.45% w/w
Naphthalenesulfonic acid, Sodium salt, polymer with formaldehyde	6.00% w/w
Sodium lignosulfonate	2.00% w/w
Naphthalenesulfonic acid, dibutyl-Sodium salt (70%)	
Sodium sulfate (30%)	2.00% w/w
Ammonium sulfate	18.55% w/w
Total	**100.00% w/w**

CAUTION : Not to be used on Crops Other Than Specified on this Label

MANUFACTURED BY:

Nissan Chemical Industries, Ltd.
Kowa Hitotsubashi Building, 7-1, 3-Chome, Kanda- Nishiki-Cho,
Chiyoda-Ku TOKYO 101-0054, JAPAN.

Imported, Repacked and Marketed by:

NACL Industries Limited

(formerly known as 'Nagarjuna Agrichem Limited')
Regd.Off.: Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers,
Nagarjuna Hills, Panjagutta,Hyderabad - 500 082, Telangana, India.
Factory: Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.

पायराज़ोसल्फ़्यूरॉन–इथाईल 70% डब्ल्यूडीजी

सीरियस

(अंतरप्रवाही खरपतवारनाशक)

(केवल आयात के लिए)

पायराज़ोसल्फ़्यूरॉन–इथाईल 70% डब्ल्यूडीजी उत्पत्ति से पहले और उत्पत्ति के तुरंत बाद इस्तेमाल किया जाने वाला एक चयनशील, अंतरप्रवाही हर्बिसाइड है और धान विभिन्न अपतृणों पर नियंत्रण करने के लिये इसके इस्तेमाल का सुझाव दिया जाता है.

प्रयोग और इस्तेमाल के निर्देश:

पायराज़ोसल्फ़्यूरॉन–इथाइल 70% डब्ल्यूडीजी धान के निम्नलिखित खरपतवारों को नियंत्रण के लिये उपयुक्त है.

उपयोग के लिए सिफारिश:

फसलें	खरपतवार का प्रचलित नाम	मात्रा/हेक्टर		पानी की मात्रा (लीटर)	अंतिम छिड़काव से फसल प्राप्ति के बीच की प्रतीक्षा अवधि (दिनों में)
		स.त. (ग्रा)	दवा की मात्रा (ग्रा)		
धान	1. स्वांकी 2. स्वांक 3. डोंगली मोथा 4. पान पत्ती 5. पीले फूलवाली बूटी 6. पानी की बरसीम	21	30	500	43

इस्तेमाल का समय:

छिड़काव धान की रोपई के चार से सात दिन बाद, खरपतवारों के निकलने से पहले किया जाना चाहिये.

इस्तेमाल का तरीका:

उत्पाद की आवश्यक मात्रा को माप कर निकालें और इसे पानी के साथ अच्छी तरह मिलायें. अच्छी तरह चलाते हुए निर्देशानुसार पानी की शेष मात्रा मिलायें. हर्बिसाइडल नॉज़ल (फ़्लैट फैन नॉज़ल) लगे हुए नैपसैक स्प्रेयर जैसे उपयुक्त स्प्रेयर द्वारा छिड़काव करें. प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी का इस्तेमाल करें.

मुख्य फसल पर विषैले प्रभाव:

निर्देशानुसार इस्तेमाल किये जाने पर मुख्य फसल पर उत्पाद के विषैले प्रभाव नहीं होते.

सावधानियाँ:

1. स्प्रे तैयार करने के लिये खाना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल न करें.
2. छिड़काव का घोल नंगे हाथों से तैयार न करें. घोल को चलाने के लिये छड़ी का इस्तेमाल करें.
3. बच्चों, खाने की चीजों, जानवरों के चारे, गर्मी और आग की लपटों से दूर रखें.
4. साँस द्वारा अंदर लेने और आँखों के संपर्क से बचें.
5. त्वचा से संपर्क टालने के लिये छिड़काव के दौरान हैंड ग्लव्स (दस्ताने), सुरक्षात्मक कपड़े, मास्क, काले चश्मे, जूते पहनें.
6. छिड़काव सिर्फ हवा की दिशा में करें, इसके विपरीत नहीं, ताकि शरीर पर छींटे न पड़ें.
7. नॉज़ल में मुंह से फूंक न मारें.
8. प्रॉडक्ट का इस्तेमाल या छिड़काव करते समय खाने, पीने या धुम्रपान से बचें.
9. इस्तेमाल के बाद स्प्रेयर, बाल्टियाँ और अन्य बर्तन साफ करें.
10. छिड़काव के बाद हाथों को साबुन और पानी से धोयें और कपड़े बदल लें. और गंदे कपड़ों को धो लें.

विष के लक्षण:

विष के लक्षण में सास लेने में तकलीफ, पतली टट्टी, निरंतर आंखों से पानी निकलना, लार बहना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्राथमिक उपचार के उपाय:

1. साँस द्वारा अंदर लेने पर ज़हर का प्रभाव होने की स्थिति में, पीड़ित व्यक्ति को गुनगुने पानी में एक बड़े चम्मच नमक का घोल पिलाकर उल्टी करायें. उल्टी में साफ पानी निकलने तक ऐसा कराते रहें. आवश्यकता होने पर, 5% सोडियम बायकार्बोनेट के घोल से गैस्ट्रिक लैवेज दें.
2. प्रभावित त्वचा को ढेर सारे पानी और साबुन से धोयें और गंदे कपड़े बदलकर पीड़ित व्यक्ति को खुली हवा में ले जायें.
3. दवा आँखों में जाने पर, कम से कम पाँच मिनट तक आँखों को पानी से अच्छी तरह धोयें और डॉक्टर को दिखायें.
4. तुरंत फिज़िशियन को बुलायें और ज़रूरत पड़ने पर पीड़ित व्यक्ति को तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जायें.

औषधी चिकित्सा:

कोई खास विष निवारक उपलब्ध नहीं है। लक्षणानुसार इलाज करें।

भंडारणं:

1. खरपतवारनाशक के भंडारण के लिए बने हुए कमरे अच्छी तरह निर्मित, सूखे हुए, रोशनीदार, हवादार और पर्याप्त बड़े होने चाहिए ताकि उनकी वाष्प से कोई प्रदूषण न हो.
2. खरपतवारनाशक के डिब्बों को अन्य वस्तुओं, ख़ासतौर से खाद्य–पदार्थ रखे जाने के कमरों या परिसरों से अलग कमरों या परिसरों में भंडारित किया जाना चाहिए या खरपतवारनाशकों की मात्रा और प्रकृति के अनुसार अलग अलमारियों में ताला बंद करके रखा जाना चाहिए.

इस्तेमाल किये हुए पैकेजेज़, हर्बिसाइड की अतिरिक्त सामग्री और धुलाई के पानी को फेंकना:

1. खाली डिब्बों को तोड़–फोड़ कर रिहायशी स्थान से दूर जमीन में गाड़ दिया जाना चाहिए.
2. खाली डिब्बों को खुले में नहीं फेंकना चाहिए, ताकि उनका दोबारा इस्तेमाल होने की नौबत न आए.
3. डिब्बों या बची हुई सामग्री या मशीनों और डिब्बों की धोवन का निपटारा सुरक्षित तरीके से इस प्रकार किया जाना चाहिए कि पर्यावरण या जल प्रदूषण न हो.

रासायनिक संरचना:

पायराजोसल्फ़्यूरॉन इथाईल स. त. (98.00% भार/भार):	71.45% भार/भार
नैप्थालीन सल्फोनिक ऑसिड सोडियम साल्ट, पौलिमर विथ फॉरमलडीहाईड:	6.00% भार/भार
सोडियम लिग्नोसल्फोनेट:	2.00% भार/भार
नैप्थैलिन सल्फोनिक ऑसिड डायव्युटाईल–सोडियम साल्ट (70%):	
सोडियम सल्फेट (30%)	2.00% भार/भार
आमेनियम सल्फेट:	18.55% भार/भार
कुल:	**100.00% भार/भार**

सावधान: इस लेबल में निर्देशित ना किये गये फसलों पर इस्तेमाल ना करे.

निर्माता:

मेसर्स निस्सान केमिकल इंडस्ट्रीज, लि.
कोवा–हिटाट सुभाषी बिल्डिंग, 7–1–3–कोम, कंडा–निशिकी–को,
चियोडा–कू, टोकियो – 101–0054, जापान

आयातकर्ता, पुनःपैकिंग एवं विपणनकर्ता:

ऐन.ऐ.सी.एल. इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(पूर्व में नागार्जुना अग्रिकेम लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
प्लाट नं. १२-ए, सी ब्लॉक, लक्ष्मी टॉवर्स,नागार्जुना हिल्स,
पंजागुट्टा, हैदराबाद-५०० ०८२, तेलंगाणा, भारत
कर्मागार: ईतकोटा-५३३ २३८, तु.गो. जिल्ला, आंध्रप्रदेश.

पायराझोसल्फुरॉन–इथील 70% डब्ल्यूडीजी

सीरियस

(आंतरप्रवाही तणनाशक)

(केवळ आयातीसाठी)

पायराझोसल्फुरॉन–इथील 70% डब्ल्यूडीजी हे निवडक, आंतरप्रवाही, अकुंरणपूर्व आणि सुरुवातीचे अकुंरणपश्चात (अर्ली पोस्ट इमर्जन्स) तणनाशक आहे आणि भातावरील विविध तणांच्या नियंत्रणासाठी ह्याचा वापर करण्याची शिफारस करण्यात येते.

उपयोग आणि वापरासाठीची शिफारस:

भातावरील पुढील तणांच्या नियंत्रणासाठी ह्याचा वापर करण्याची शिफारस करण्यात येते.

उपयोगसाठी शिफारस :

पीक	तणाचे सर्वसामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर		मिसळावयाचे पाणी (लीटर)	शेवटची फवारणी आणि कापणी यामधील अंतर (दिवसांमध्ये)
		स.त. (ग्रॅम)	मात्रा (ग्रॅम)		
भात	1. पाखड 2. कुसळी पाखड 3. लव्हाळा 4. इंदीवर 5. कडू चिंच 6. आंबोशी	21	30	500	43

वापराची वेळ:

भाताचे बीजरोपण करून झाल्यानंतर चार ते सात दिवसांनी, तण अंकुरण होण्यापूर्वी, फवारणी करण्यात यायला हवी.

वापराची पद्धत:

उत्पादनाचे आवश्यक तितके प्रमाण मोजून घ्या आणि थोड्या प्रमाणात पाणी घेऊन उत्पादन पाण्यामध्ये मिसळा. मिश्रण व्यवस्थित हलवून झाल्यानंतर उर्वरित पाणी मिसळा. तणनाशक नोझल (फ्लॅट फॅन नोझल) लावलेल्या नॅपसॅक स्प्रेयरसारख्या योग्य स्प्रेयरद्वारे फवारणी करा. प्रतिहेक्टर 500 लिटर्स पाण्याचा वापर करा.

रोपावरील विषकारकता:

शेतीसाठी केलेल्या शिफारशींनुसार वापरण्यात आल्यास हे उत्पादन रोपांना विषकारक नाही.

खबरदारी:

1. अन्न शिजवण्याच्या भांड्याचा उपयोग फवारणी द्रावण तयार करण्यासाठी करू नका.
2. उघड्या हातांनी फवारणी द्रावण हलवू नका. फवारणी द्रावण हलवण्यासाठी काठीचा वापर करू नका.
3. तणनाशक हे मुले, अन्नपदार्थ, प्राण्यांचे खाद्य, उष्मा आणि उघड्या ज्वाला ह्यांच्यापासून दूर ठेवा.
4. अंतःश्वसन करणे टाळा आणि डोळ्यांशी संपर्क होऊ देऊ नका.
5. फवारणी करत असताना त्वचेशी संपर्क होणे टाळण्यासाठी हातमोजे, संरक्षणात्मक कपडे, मास्क, गॉगल्स, बुट्स परिधान करा.
6. तुमच्या शरीरावर कीटकनाशकाचे थेंब उडू नयेत ह्यासाठी वारा वाहत असलेल्या दिशेने कीटकनाशकाची फवारणी करा आणि वाऱ्याच्य विरुद्ध दिशेने फवारणी करू नका.
7. नोझलमध्ये तोंडावाडे फुंकर मारू नका.
8. उत्पादनाची हाताळणी करत असताना किंवा ते लावत असताना काही खाऊ नका, पिऊ नका किंवा धुम्रपान करू नका.
9. वापर करून झाल्यानंतर दररोज स्प्रेयर्स, बादल्या आणि इतर भांडी स्वच्छ करा.
10. साबणाचा आणि भरपूर पाण्याचा वापर करून हात धुऊन घ्या आणि काम पूर्ण झाल्यानंतर कपडे बदला. तसेच संदुषित झालेले कपडे धुऊन टाका.

विषबाधेची लक्षणे:

अतिसार, श्वसनासंबंधीचा ताण, अतिरिक्त अश्रुस्रवण आणि लाळस्रवण

प्रथमोपचार:

1. अंतर्ग्रहण केल्यामुळे विषबाधा होण्याच्या बाबतीत, रुग्णाला एक चमचा मीठ घातलेले कोमट पाणी प्यायला देऊन उलटी काढायला लावावी. उलटीवाटे आलेले द्रव नितळ दिसेपर्यंत ही प्रक्रिया पुन्हा करा. आवश्यकता असल्यास, 5% सोडियम बायकार्बोनेट द्रावणासह जठर–धावन प्रदान करावे.
2. संदुषित झालेली त्वचा ही भरपूर पाण्याचा आणि साबणाचा वापर करून धुऊन काढा आणि रुग्णाचे संदुषित कपडे काढा आणि त्याला ताज्या हवेत घेऊन जा.
3. डोळे संदुषित झाल्यास, डोळे किमान 5 मिनिटे पाण्याने धुऊन स्वच्छ करा, डॉक्टरांचा सल्ला घ्या.
4. ताबोडतोब फिजिशियनला बोलवा आणि आवश्यकता असल्यास रुग्णाला जवळच्या रुग्णालयामध्ये न्या.

उतारा:

कोणताही विशिष्ट उतारा नाही. लक्षणानुसार आणि साहाय्यक पद्धतीने उपचार करा.

साठवणीच्या शर्ती:

1. तणनाशकांच्या साठवणीसाठी वापरण्यात येणाऱ्या खोल्या किंवा जागा ह्या उत्तम प्रकारे बांधलेल्या, प्रकाशमान आणि खेळती हवा असलेल्या आणि आर्द्रतेमूळे दुषित होणे टाळण्यासाठी योग्य मोजमापाच्या असणे गरजेचे आहे.
2. तणनाशक असलेली पॅकेजेस (पाकीटे) ही इतर वस्तूंच्या साठवणीसाठी, विशेषतः अन्नपदार्थांच्या साठवणीसाठी, वापरण्यात येणाऱ्या खोल्या अथवा जागा यांच्यापासून दूर अशा स्वतंत्र खोल्या अथवा जागांमध्ये ठेवावीत किंवा ती तणनाशकाचे प्रमाण आणि स्वरूप यांच्यानुसार स्वतंत्र अशा कुलूपबंद कपाटात ठेवावीत.

वापरलेली पॅकेजेस, अधिकची मटेरियल्स आणि तणनाशक वापरतानाचे कपडे ह्यांची विल्हेवाट:

1. पॅकेजेस तोडण्यात यावीत आणि ती वसतीस्थानापासून दूर पुरण्यात यावीत.
2. वापरलेल्या पॅकेजेसचा पुन्हा वापर होणे रोखण्यासाठी ती बाहेर टाकू नयेत.
3. पर्यावरणाचे आणि पाण्याचे प्रदुषण रोखण्यासाठी, पॅकेजेस किंवा अतिरिक्त सामग्री आणि धुलाईचे कपडे तसेच डबे यांची सुरक्षित पद्धतीने विल्हेवाट लावण्यात यायला हवी.

रासायनिक रचना:

पायराझोसल्फुरॉन इथील स.त. (98% व/व किमान)	71.45% व/व
नाप्थालेनेसल्फोनिक आम्ल, सोडियम क्षार, फॉर्मल्डीहाइडसह पॉलिमर	6.00% व/व
सोडियम लिंगोसल्फोनेट	2.00% व/व
नाप्थालेनेसल्फोनिक आम्ल, डायब्युटिल–सोडियम क्षार (70%)	
सोडियम सल्फेट (30%)	2.00% व/व
अमोनियम सल्फोनेट	18.55% व/व
एकूण:	**100.00% व/व**

सावधगिरी : ह्या लेबलवर निर्देशित पिका व्यतिरिक्त इतर पिकांवर वापरू नये.

निर्माते:

मेसर्स निस्सान केमिकल इंडस्ट्रीज, लि.
कोवा–हिटाट सुभाषी बिल्डिंग, 7–1, 3–क्रोम, कंडा–निशिकी–चो,
चियोडा–कू टोकयो–101–0054, जपान

आयात, पुनर्बांधणी आणि विपणनकर्ता:

एन.ए.सी.एल इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(पूर्वीचे नाव 'नागार्जुना ॲग्रिकेम लिमिटेड')
प्लॉट क्र. 12–ए, 'सी'– ब्लॉक, लक्ष्मी टॉवर्स,
नागार्जुना हिल्स, पंजागुट्टा, हैद्राबाद–500 082, तेलंगाणा, भारत
कारखाना : एथाकोटा – 533 238,ईस्ट गोदावरी जिल्हा. आंध्रप्रदेश

ਪਾਇਰਾਇਜ਼ੋਸਲਫ਼ੂਰਾਨ–ਇਥਾਇਲ 70% ਡਬਲਯੂਡੀਜੀ

ਸਿਰਿਯਸ

(ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ)

(ਸਿਰਫ਼ ਆਯਾਤ ਲਈ)

ਪਾਇਰਾਇਜ਼ੋਸਲਫ਼ੂਰਾਨ–ਇਥਾਇਲ 70% ਡਬਲਯੂਡੀਜੀ ਉਗਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਅਤੇ ਉਗਣ ਦੇ ਤੁਰੰਤ ਬਾਦ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਇਕ ਚੁਣਨਯੋਗ, ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਅਤੇ ਝੋਨੇ ਵਿਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਵੱਖ – ਵੱਖ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਦੀਨਾਂ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਇਸਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸੁਝਾਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਉਪਯੋਗ ਅਤੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ :

ਪਾਇਰਾਇਜ਼ੋਸਲਫ਼ੂਰਾਨ–ਇਥਾਇਲ 70% ਡਬਲਯੂਡੀਜੀ ਝੋਨੇ ਦੇ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਨਦੀਨਾਂ ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਉਪਯੁਕਤ ਹੈ।

ਇਸਤੇਮਾਲ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ :

ਫਸਲ	ਨਦੀਨ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ/ਹੇਕਟਰ		ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ (ਲਿ.)	ਅੰਤਿਮ ਛਿੜਕਾਅ ਤੋਂ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਦੇ ਵਿੱਚ ਅੰਤਰਾਲ (ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ)
		ਏ.ਆਈ. (ਗ੍ਰਾਮ)	ਸੂਤਰੀਕਰਣ (ਗ੍ਰਾਮ)		
ਧਾਨ	1. ਸਵਾਂਕੀ 2. ਸਵਾਂਕ 3. ਡੀਲਾ ਮੋਥਾ 4. ਪਾਣੀ ਘਾਹ 5. ਪੀਲੇ ਫ਼ੁਲਾਂ ਵਾਲੀ ਪੂਟੀ 6. ਦੋ ਪੱਤੀ	21	30	500	43

ਇਸਤੇਮਾਲ ਦਾ ਸਮਾਂ :

ਛਿੜਕਾਅ ਝੋਨੇ ਦੇ ਪੌਦੇ ਲਗਾਉਣ ਦੇ ਚਾਰ ਤੋਂ ਸੱਤ ਦਿਨ ਬਾਦ, ਨਦੀਨ ਨਿਕਲਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹਿਦਾ ਹੈ।

ਇਸਤੇਮਾਲ ਦਾ ਤਰੀਕਾ :

ਉਤਪਾਦ ਦੀ ਜਰੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਮਾਪਕੇ ਨਿਕਾਲੋ ਅਤੇ ਇਸਨੂੰ ਪਾਣੀ ਦੇ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾ ਲਓ। ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਉਂਦੇ ਹੋਏ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਾਕੀ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਮਿਲਾਓ। ਹਰਬੀਸਾਇਡਲ ਨੋਜ਼ਲ (ਫ਼ਲੈਟ ਫੈਨ ਨੋਜ਼ਲ) ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਗੇ ਉਪਯੁਕਤ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੁਆਰਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ। ਪ੍ਰਤਿ ਹੇਕਟਰ 500 ਲੀਟਰ ਪਾਣੀ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ।

ਮੁੱਖ ਫ਼ਸਲ ਤੇ ਜਹਿਰੀਲੇ ਅਸਰ :

ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਿਕ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਏ ਤਾਂ ਇਹ ਉਤਪਾਦ ਮੁੱਖ ਫ਼ਸਲ ਤੇ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ :

1. ਸਪ੍ਰੇ ਦਾ ਘੋਲ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਖਾਨਾ ਪਕਾਉਣ ਵਾਲੇ ਭਾਂਡਿਆਂ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ।
2. ਛਿੜਕਾਅ ਦਾ ਘੋਲ ਨੰਗੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਤਿਆਰ ਨਾ ਕਰੋ, ਘੋਲ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਲਈ ਸੋਟੀ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰੋ।
3. ਬੱਚਿਆਂ, ਭੋਜਨ ਸਾਮਗ੍ਰੀ, ਜਾਨਵਰਾਂ ਦੇ ਚਾਰੇ, ਗਰਮੀ ਅਤੇ ਬਲਦੀ ਅੱਗ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ।
4. ਸਾਹ ਨਾਲ ਅੰਦਰ ਨਾ ਜਾਣ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਤੋਂ ਬਚੋ।
5. ਚਮੜੀ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਨਾ ਹੋਣ ਦੇਣ ਲਈ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਹੱਥਾਂ ਦੇ ਦਸਤਾਨੇ, ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਕਪੜੇ, ਮਾਸਕ, ਕਾਲੀ ਐਨਕ ਅਤੇ ਬੂਟਸ ਪਾਓ।
6. ਛਿੜਕਾਅ ਸਿਰਫ਼ ਹਵਾ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਕਰੋ, ਇਸਦੀ ਉਲਟ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਨਾ ਕਰੋ, ਤਾਂ ਕਿ ਸ਼ਰੀਰ ਤੇ ਛਿੱਟੇ ਨਾ ਪੈਣ।
7. ਨੋਜ਼ਲ ਵਿੱਚ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਫੂਕ ਨਾ ਮਾਰੋ।
8. ਉਤਪਾਦ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਜਾਂ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਦੇ ਵੇਲੇ ਕੁਝ ਵੀ ਖਾਨ, ਪੀਣ ਅਤੇ ਸਿਗਰੇਟ ਪੀਣ ਤੋਂ ਪਰਹੇਜ ਕਰੋ।
9. ਹਰ ਰੋਜ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਬਾਲਟੀਆਂ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਭਾਂਡੇ ਸਾਫ਼ ਕਰ ਲਓ।
10. ਕੰਮ ਪੂਰਾ ਹੋ ਜਾਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਹੱਥਾਂ ਨੂੰ ਸਾਬਨ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਦਿਊ ਅਤੇ ਕਪੜੇ ਬਦਲ ਲਓ ਅਤੇ ਗੰਦੇ ਹੋਏ ਕਪੜਿਆਂ ਨੂੰ ਧੋ ਦਿਊ।

ਜਹਿਰ ਦੇ ਲੱਛਣ :

ਜਹਿਰੀਲੇ ਲੱਛਣਾਂ ਵਿੱਚ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼, ਪਤਲੀ ਟੱਟੀ, ਅੱਖਾਂ ਵਿਚੋਂ ਨਿਰੰਤਰ ਪਾਣੀ ਵਗਨਾ, ਲਾਰ ਵਗਨ ਵਰਗੇ ਲੱਛਣ ਦਿੱਸ ਸੱਕਦੇ ਹਨ।

ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਉਪਚਾਰ ਦੇ ਤਰੀਕੇ :

1. ਸਾਹ ਦੁਆਰਾ ਅੰਦਰ ਲੈਣ ਤੇ ਜਹਿਰ ਦਾ ਅਸਰ ਹੋਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਪੀੜਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕੋਸੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਇਕ ਵੱਡਾ ਚਮੱਚ ਲੂਣ ਦਾ ਘੋਲ ਕੇ ਪਿਲਾਕੇ ਉਲਟੀ ਕਾਰਵਾ ਦਿਊ। ਉਲਟੀ ਵਿੱਚ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਿਕਲਨ ਤਕ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਕਰਵਾਉਂਦੇ ਰਹੋ। ਜਰੂਰਤ ਹੋਣ ਤੇ, 5% ਸੋਡੀਯਮ ਬਾਇਕਾਰਬੋਨੇਟ ਦੇ ਘੋਲ ਨਾਲ ਗੈਸਟ੍ਰਿਕ ਲੈਵੇਜ ਦਿਊ।
2. ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਚਮੜੀ ਨੂੰ ਢੇਰ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਸਾਬਨ ਨਾਲ ਧੋਦਿਊ ਅਤੇ ਗੰਦੇ ਕਪੜੇ ਬਦਲ ਕੇ ਪੀੜਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਖੁਲੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ।
3. ਦਵਾਈ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾਉਣ ਤੇ, ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਪੰਜ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਦਿਊ ਅਤੇ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ।
4. ਤੁਰੰਤ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ ਅਤੇ ਜਰੂਰਤ ਪੈਣ ਤੇ ਪੀੜਿਤ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਨਜ਼ਦੀਕੀ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ।

ਔਸ਼ਧੀ ਚਿਕਿਤਸਾ :

ਕੋਈ ਖਾਸ ਵਿਸ਼ਨਾਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੱਛਨਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਭੰਡਾਰਣ ਦੀ ਸਥਿਤੀ :

1. ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਪਰਿਸਰ, ਸੁੱਕੇ, ਠੰਡੇ ਰੋਸ਼ਨੀਦਾਰ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਕਾਫੀ ਵੱਡੇ ਸਾਇਜ਼ ਦੇ ਬਨੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕਿ ਭਾਫ਼ ਨਾਲ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸੱਕੇ।
2. ਜਿਹੜੇ ਡਬਿਆਂ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਹੈ, ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਦੂਸਰੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ, ਖਾਸ ਤੌਰ ਤੇ ਭੋਜਨ ਸਾਮਗ੍ਰੀ, ਨੂੰ ਰਖੱਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਪਰਿਸਰ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦੂਸਰੇ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਪਰਿਸਰ ਵਿੱਚ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਸਵਰੂਪਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਅਲਗ ਅਲਮਾਰੀ ਵਿੱਚ ਜੰਦਰਾ ਚਾਬੀ ਲਗਾ ਕੇ ਰਖੱਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦਾ ਖਾਲੀ ਡੱਬਿਆਂ ਜਾਂ ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਹੋਈ ਸਾਮਗ੍ਰੀ ਜਾਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਅਤੇ ਡੱਬਿਆਂ ਦੀ ਧੋਣ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ:

1. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਡੱਬੇ ਤੋੜ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਜਾਕੇ ਦਬਾ ਦੇਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।
2. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਹੀਂ ਛੱਡੋ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਹੋਣ ਦੀ ਨੌਬਤ ਨਾ ਆਏ।
3. ਡੱਬਿਆਂ ਜਾਂ ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਹੋਈ ਸਾਮਗ੍ਰੀ ਜਾਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਅਤੇ ਡੱਬਿਆਂ ਦੀ ਧੁਣ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹਿਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਵਾਤਾਵਰਣ ਜਾਂ ਪਾਣੀ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਨਾ ਹੋਵੇ।

ਰਸਾਇਣਿਕ ਸਰੰਚਨਾ :

ਪਾਇਰਾਇਜ਼ੋਸਲਫ਼ੂਰਾਨ ਇਥਾਇਲ ਸ.ਤ. (98.00% ਭਾਰ/ਭਾਰ) :	71.45 % ਭਾਰ/ਭਾਰ
ਨੈਪਥਾਲੀਨ ਸਲਫੋਨਿਕ ਏਸਿਡ ਸੋਡੀਯਮ ਸਾੱਲਟ, ਪੋਲੀਮਰ ਫ਼ਾਰਮਲਡਿਹਾਇਡ ਦੇ ਨਾਲ:	6.00 % ਭਾਰ/ਭਾਰ
ਸੋਡੀਅਮ ਲਿਗਨੋ ਸਲਫੋਨੇਟ :	2.00 % ਭਾਰ/ਭਾਰ
ਨੈਪਥਾਲੀਨ ਸਲਫੋਨਿਕ ਏਸਿਡ ਡਾਈਬੂਟਾਈਲ–ਸੋਡੀਅਮ ਸਾੱਲਟ (70%)	
ਸੋਡੀਅਮ ਸਲਫੇਟ (30%)	2.00 % ਭਾਰ/ਭਾਰ
ਅਮੋਨੀਅਮ ਸਲਫੇਟ :	18.55 % ਭਾਰ/ਭਾਰ
ਕੁਲ :	**100.00 % ਭਾਰ /ਭਾਰ**

ਸਾਵਧਾਨੀ: ਇਸ ਲੇਬਲ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਨਿਰਮਾਤਾ :

ਨਿਸਾਨ ਕੇਮੀਕਲਜ਼ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਜ਼, ਲਿਮਿਟੇਡ
ਕੋਵਾ – ਹਿਟਾਟ ਸੁਭਾਸ਼ੀ ਬਿਲਡਿੰਗ, 7–1–3–ਕੋਮ, ਕੰਦਾ–ਨਿਸ਼ਿਕੀ–ਕੋ,
ਚਿਯੋਡਾ–ਕੁ, ਟੋਕਿਯੋ–101–0054, ਜਾਪਾਨ

ਆਯਾਤਕ , ਪੁਨਰ ਪੈਕਿੰਗ ਅਤੇ ਵਿਪਣਨਕਰਤਾ :

ਐਨ ਏ ਸੀ ਐਲ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਜ਼ ਲਿਮਿਟਡ

(ਇਸ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ 'ਨਾਗਰਜੁਨਾ ਐਗ੍ਰੀਕੈਮ ਲਿਮਿਟਡ' ਵਜੋਂ ਜਾਣਿਆ ਗਿਆ)
ਪਲਾੱਟ ਨੰ. 12 –ਏ, "ਸੀ" ਬਲਾੱਕ, ਲਕਸ਼ਮੀ ਟਾਵਰਸ,
ਨਾਗਾਰਜੁਨਾ ਹਿੱਲਸ, ਪੰਜਾਗੁੱਟਾ, ਹੈਦਰਾਬਾਦ 500 082, ਤੇਲੰਗਾਨਾ, ਭਾਰਤ
ਭਾਰਤ ਕਾਰਖਾਨਾ : ਈਥਾਕੋਟਾ – 533238, ਈਸਟ ਗੋਦਾਵਰੀ ਜਿਲਾ, ਆਂਧਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼.

পাইরাজোসালফিউরন-ইথাইল 70% ডব্ল্যূডীজী

সিরিয়াস

সিস্টেমিক আগাছানাশক

(শুধুই আমদানির জন্য)

পাইরাজোসালফিউরন–ইথাইল 70% ডব্ল্যূডীজী হচ্ছে এক বাছাই–করা, সিস্টেমিক, উদ্ভব–পূর্ব ও আশু উদ্ভব–পরবর্তী আগাছানাশক এবং ধানের বিভিন্ন আগাছা নিয়ন্ত্রণের জন্য সুপারিশ করা হচ্ছে।

প্রয়োগ ও ব্যবহারের জন্য সুপারিশ:

পাইরাজোসালফিউরন–ইথাইল 70% ডব্ল্যূডীজী ধানের নিম্নলিখিত আগাছাগুলি নিয়ন্ত্রণের জন্য সুপারিশ করা হচ্ছে।

ব্যবহারের নির্দেশ:

ফসল	আগাছের সাধারণ নাম	মাত্রা/হে.		দ্রবণ (লি.)	শেষ স্প্রে থেকে ফলন পর্যন্ত অপেক্ষাকাল (দিন-এ)
		এ.আই. (গ্রাম)	মিশ্রণ (গ্রাম)		
ধান	1. রোঁয়া হীন শ্যামা ঘাস 2. শ্যামা ঘাস 3. চওড়া মুথা 4. নৌকো পাতা 5. লবঙ্গ ফুল 6. শুযনী	21	30	500	43

প্রয়োগের সময়:

আগাছা দেখা দেওয়ার আগে, ধানের চারা রোপণের চার থেকে সাত দিনে স্প্রে করা উচিত।

প্রয়োগের পদ্ধতি:

প্রোডাক্টের প্রয়োজনীয় পরিমাণ মেপে নিন এবং অল্প জলের সঙ্গে ভালো ক'রে মেশান। বাকি জলটা যেমন নির্দিষ্ট হয়েছে সেইভাবে ভালো ক'রে ঝাঁকিয়ে যোগ করুন। উপযুক্ত স্প্রে দ্বারা স্প্রে করুন, যেমন, আগাছানাশক নোজ্‌ল (ফ্ল্যাট ফ্যান নোজ্‌ল) লাগানো ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার। প্রতি হেক্টারে 500 লিটার জল ব্যবহার করুন।

উদ্ভিদে বিষক্রিয়া:

প্রোডাক্টটি সুপারিশ অনুযায়ী ব্যবহার করলে উদ্ভিদে বিষক্রিয়া ঘটায় না।

সতর্কতাসমূহ:

1. স্প্রে প্রস্তুত করার জন্য রান্নার বাসন ব্যবহার করবেন না।
2. স্প্রে সলিউশন নাড়ার জন্য খালি হাত ব্যবহার করবেন না। স্প্রে সলিউশন নাড়ার জন্য কাঠি ব্যবহার করুন।
3. শিশু, খাদ্যদ্রব্য, পশুখাদ্য, তাপ ও উন্মুক্ত অগ্নিশিখা থেকে দূরে রাখুন।
4. শ্বাসের সঙ্গে গ্রহণ এবং চোখের সঙ্গে সংস্পর্শ এড়ান।
5. স্প্রে করার সময় ত্বকের সঙ্গে সংস্পর্শ এড়ানোর জন্য হাতের দস্তানা, সুরক্ষাত্মক পোশাক, মুখোশ, গগ্‌ল্‌স, বুটজুতো পরুন।
6. ধুলো শরীরে এসে জমা হওয়া প্রতিরোধ করতে যেদিকে বায়ু বইছে সেদিকে আগাছা নাশক স্প্রে করুন, তার বিপরীত দিকে নয়।
7. নোজ্‌লে মুখ দিয়ে ফুঁ দেবেন না।
8. প্রোডাক্টটা হ্যান্ডল বা প্রয়োগ করার সময় আহার, পানীয় গ্রহণ বা ধূমপান করবেন না।
9. রোজব্যবহারের পরে স্প্রেয়ার, বালতি এবং অন্যান্য বাসনপত্র জল দিয়ে পরিষ্কার করবেন।
10. কাজটা শেষ হওয়ার পরে সাবান ও প্রচুর জল দিয়ে হাত ধোবেন এবং জামাকাপড় পালটাবেন। দূষিত জামাকাপড়ও ধুয়ে ফেলবেন।

বিষক্রিয়ার লক্ষণসমূহ:

উদরাময়, শ্বাসপ্রশ্বাসে অসুবিধা, চোখ দিয়ে জল পড়া এবং লালা নিঃসরণ।

প্রাথমিক চিকিৎসার ব্যবস্থা:

1. গিলে ফেলে বিষক্রিয়ার ক্ষেত্রে, আক্রান্ত ব্যক্তিকে উষ্ণ জলে এক টেবিল–চামচ লবণ দিয়ে বমি করানোর চেষ্টা করা উচিত। বমিতে তরল পুরো বেরিয়ে না–আসা পর্যন্ত পুনরাবৃত্তি করুন। প্রয়োজন হলে, 5% সোডিয়াম বাইকার্বোনেট সলিউশন সহ গ্যাস্ট্রিক ল্যাভেজদিন।
2. প্রচুর সাবান ও জল দিয়ে দূষিত ত্বক ধুয়ে ফেলুন আর দূষিত জামাকাপড় খুলে ফেলুন এবংআক্রান্তকে মুক্ত বায়ুতে রাখুন।
3. যদি চোখ দূষিত হয়, তাহলে কমপক্ষে পাঁচ মিনিট ধ'রে চোখে জলের ঝাপটা দিন এবং ডাক্তার দেখান।
4. তৎক্ষণাৎ চিকিৎসক ডাকুন এবং প্রয়োজন হলে রোগীকে নিকটতম হাসপাতালে নিয়ে যান।

প্রতিষেধক:

কোনো নির্দিষ্ট প্রতিষেধক নেই, লক্ষণ ও সহায়তা অনুযায়ী চিকিৎসা করুন।

মজুতের শর্তাবলি:

1. বাষ্পের সঙ্গে সংস্পর্শে যাতে দূষণ না–ঘটে সেজন্য আগাছানাশক মজুতের জন্য কামরা বা চত্বর সুনির্মিত, শুকনো, ভালোভাবে আলোকিত ও বায়ু চলাচলকারী হতে হবে।
2. আগাছানাশকের পরিমাণ ও ধরনের ওপর নির্ভর করে আগাছানাশকের মোড়কগুলি অন্যান্য জিনিস, বিশেষ করে খাবার জিনিস মজুতের জন্য ব্যবহৃত কামরা বা চত্বর থেকে দূরে আলাদা কামরা বা চত্বরে মজুত রাখা উচিত কিংবা আলাদা আলমারিতে তালাচাবি দিয়ে রাখতে হবে।

ব্যবহৃত প্যাকেজ, উদ্বৃত্ত সামগ্রী এবং আগাছানাশক ধোয়ার জিনিসপত্রের বিলিব্যবস্থা:

1. মোড়কগুলি ভেঙে ফেলে জনবসতি থেকে দূরে মাটির নীচে পুঁতে ফেলতে হবে।
2. ব্যবহৃত মোড়কগুলির পুনর্ব্যবহার রোধ করতে সেগুলো বাইরে ফেলে রাখা অনুচিত।
3. মোড়ক, উদ্বৃত্ত সামগ্রী এবং মেশিন থেকে ধোয়ার জিনিসপত্র আর আধারগুলি নিরাপদ পদ্ধতিতে সরিয়ে ফেলা উচিত যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ রোধ করা যায়।

রাসায়নিক মিশ্রণ:

পাইরাজোসালফিউরন - ইথাইল অর্থাৎ (৯৮% ও/ও ন্যূন)	71.45% ও/ও
ন্যাপথালিনসালফোনিক অ্যাসিড, সোডিয়াম লবণ, ফরমালডিহাইড সহ পলিমার	6.00% ও/ও
সোডিয়াম লিগনোসালফোনেট	2.00% ও/ও
ন্যাপথালিনসালফোনিক অ্যাসিড, ডাইবুটাইল–সোডিয়াম লবণ (70%)	
সোডিয়াম সালফেট (30%)	2.00% ও/ও
অ্যামোনিয়াম সালফেট	18.55% ও/ও
মোট:	**100.00% ও/ও**

সতর্কতা: এই লেবেল পত্রে নির্দিষ্ট করা না থাকলে ফসলে ব্যবহার করা যাবে না।

প্রস্তুতকারক:

নিসান কেমিক্যাল ইন্ডাস্ট্রিজ, লিমিটেড
কোয়া-হিতত সুবাশি বিল্ডিং, 7-1, 3-কোম, কান্ডা-নিশিকি-চো,
চিয়োদা-কু, টোকিয়ো - 101-0054, জাপান

আমদানি, পুনরায় প্যাক ও বাজারজাত করেছে:

এনএসিএল ইন্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড

(ইতিপূর্বে 'নাগার্জুনা এগ্রিকেম লিমিটেড' হিসেবে জ্ঞাত)
প্লট নং১২-এ, "সি"-ব্লক, লক্ষ্মী টাওয়ার্স, নাগার্জুন হিল্‌স, পুঞ্জাগুট্টা,
হায়দরাবাদ-৫০০ ০৮২, তেলেঙ্গানা, ভারত
কারখানা : ইথালকোটা - ৫৩৩২৩৮, গ্রাহক পরিচর্যা সেল - এগজিকিউটিভ

ପିରାଜୋସଲଫ୍ୟୁରନ୍–ଏଥିଲ୍ 70% ଡବ୍ଲୁଡିଜି

ସିରିୟସ

(ସିଷ୍ଟମିକ୍ ହର୍ବିସାଇଡ୍)

(କେବଳ ଇମ୍ପୋର୍ଟ୍ ପାଇଁ)

ପିରାଜୋସଲଫ୍ୟୁରନ୍–ଏଥିଲ୍ 70% ଡବ୍ଲୁଡିଜି ଏକ ଚୟନାତ୍ମକ, ସଂଚରଣକାରୀ, ଉଦ୍‌ଥାନ ପୂର୍ବ ଓ ଉଦ୍‌ଥାନ ପରସ୍ଥ ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ଅବସ୍ଥା ପାଇଁ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ତୃଣନାଶକ ଅଟେ ଏବଂ ଧାନରେ ଦେଖାଯାଉଥିବା ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ବଣୁଆ ଘାସ ନିୟନ୍ତ୍ରଣରେ ଏହାର ଉପେଯାଗ ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ କରାଯାଇଥାଏ ।

ପ୍ରୟୋଗ ଓ ବ୍ୟବହାର ନିମିତ୍ତ ସୁପାରିଶ:

ପିରାଜୋସଲଫ୍ୟୁରନ୍–ଏଥିଲ୍ 70% ଡବ୍ଲୁଡିଜି ଧାନରେ ଦେଖାଯାଉଥିବା ନିମ୍ନ ପ୍ରକାରର ବଣୁଆ ଘାସ ନିୟନ୍ତ୍ରଣରେ ଏହାର ଉପେଯାଗ ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ କରାଯାଇଥାଏ ।

ବ୍ୟବହାର ନିମିତ୍ତ ସୁପାରିଶ:

ଫସଲ	ବଣୁଆ ଘାସର ସାଧାରଣ ନାମ	ହେକ୍ଟର ପ୍ରତି ଖୁରାକ		ଜଳ ମିଶ୍ରଣ (ଲିଟର)	ଶସ୍ୟ ସଂଗ୍ରହ ପାଇଁ ଶେଷ ସିଞ୍ଚନ ଠାରୁ ପ୍ରତୀକ୍ଷାର ସମୟ (ଦିନ)
		ଏ.ଆଇ. (ଗ୍ରାମ୍)	ଫର୍ମୁଲେସନ୍ (ଗ୍ରାମ୍)		
ଧାନ	1. ସୁଆଁ 2. ବଡ଼ ସୁସାଁ 3. ମୁଥା 4. ହଂସପାଦିଆ 5. ଲବଙ୍ଗି 6. ସୁନସୁନିଆ	21	30	500	43

ପ୍ରୟୋଗ ସମୟ:

ବଣୁଆ ଘାସ ଦୃଷ୍ଟି ଗୋଚର ହେବା ପୂର୍ବରୁ ସିଞ୍ଚନ କରାଯିବା ଉଚିତ, ଧାନ ରୁଆ ଯିବାର ଚାରି ରୁ ସାତଦିନ ପରେ ।

ପ୍ରୟୋଗ ବିଧି:

ଉତ୍ପାଦର ଆବଶ୍ୟକୀୟ ପରିମାଣ ମାପ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଏହାକୁ ସ୍ୱଳ୍ପ ପରିମାଣର ପାଣି ସହିତ ଉତ୍ତମ ରୂପେ ମିଶ୍ରଣ କରନ୍ତୁ । ସେଥିରେ ଅବଶିଷ୍ଟ ପରିମାଣରେ ଯେପରି ସୂଚୀତ କରାଯାଇଛି ପାଣି ମିଶାଇ ଉତ୍ତମ ରୂପେ ଗୋଳାନ୍ତୁ । ଉପଯୁକ୍ତ ସ୍ପ୍ରେୟରର ସାହାଯ୍ୟରେ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଯେପରି ହର୍ବିସିଡାଲ୍ ନୋଜଲ୍ (ଫ୍ଲାଟ୍ ଫ୍ୟାନ୍ ନୋଜଲ୍) ସହିତ ଫିଟ୍ ହୋଇଥିବା ନାପସ୍ୟାକ୍ ସ୍ପ୍ରେୟର୍ । ହେକ୍ଟର ପ୍ରତି 500 ଲିଟର ପାଣି ଉପଯୋଗ କରନ୍ତୁ ।

ବିଷାକ୍ତତା :

ସୁପାରିଶ ଅନୁସାରେ ବ୍ୟବହୃତ ହେଲେ ଏହା ବିଷହୀନ ରହିଥାଏ ।

ସତର୍କତା:

1. ସିଞ୍ଚନ ପ୍ରସ୍ତୁତ ପାଇଁ ରନ୍ଧନ ଉଦ୍ଦିଷ୍ଟ ବାସନ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ।
2. ସିଞ୍ଚନ ଦ୍ରବଣ ଗୋଳାଇବା ପାଇଁ ଖାଲି ହାତ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ।
3. ପିଲା, ଖାଦ୍ୟ ପଦାର୍ଥ, ପଶୁ ଖାଦ୍ୟ, ଗରମ ଓ ଉନ୍ମୁକ୍ତ ଶିଖା ଠାରୁ ଦୂରରେ ରଖନ୍ତୁ ।
4. ଶ୍ୱାସଗ୍ରହଣ ଏବଂ ଆଖି ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିବାକୁ ଦିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ ।
5. ସିଞ୍ଚନ ସମୟରେ ତ୍ୱଚା ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ନଆସିବା ପାଇଁ ହ୍ୟାଣ୍ଡ ଗ୍ଲୋଭ୍ସ, ସୁରକ୍ଷାତ୍ମକ ପୋଷାକ, ମୁଖା, ଚଷମା, ବୁଟ୍ ପରିଧାନ କରନ୍ତୁ ।
6. ଶରୀର ଉପରେ ଦ୍ରବଣ କଣିକା ପଡିବାକୁ ପ୍ରତିରୋଧ କରିବା ପାଇଁ କେବଳ ପବନ ପ୍ରବାହିତ ଦିଗରେ କୀଟନାଶକ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଏହା ବିପକ୍ଷରେ ନୁହେଁ ।
7. ପାଟିରେ ନୋଜଲ୍‌କୁ ଫୁଙ୍କନ୍ତୁ ନାହିଁ ।
8. ଉତ୍ପାଦ ବ୍ୟବହାର ବା ପ୍ରୟୋଗ ସମୟରେ ଖାଇବା, ପିଇବା ଓ ଧୂମ୍ରପାନ କରିବା ପରିହାର କରନ୍ତୁ ।
9. ବ୍ୟବହର ପରେ ଦୈନିକ ପାଣିରେ ସ୍ପ୍ରେୟର୍ସ, ବକେଟ୍ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ରକୁ ପରିଷ୍କାର କରନ୍ତୁ ।
10. ସାବୁନ ଓ ପ୍ରଚୁର ପାଣିରେ ହାତ ସଫା କରନ୍ତୁ ଏବଂ କାର୍ଯ୍ୟ ସମାପ୍ତ ପରେ ପୋଷାକ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ । ଏହା ବ୍ୟତୀତ ସଂକ୍ରମିତ ପୋଷାକକୁ ସଫା କରନ୍ତୁ ।

ବିଷାକ୍ତତାର ଲକ୍ଷଣ:

ଅତିସାର (ଡାଇରିଆ), ଶ୍ୱାସପ୍ରଶ୍ୱାସରେ ଅସୁବିଧା, ଅତିରିକ୍ତ ଲାକ୍ରେମେଶନ୍ ଓ ଲାଳକ୍ଷରଣ ।

ଆଶୁ ଚିକିତ୍ସା ପଦକ୍ଷେପ:

1. ଆହରଣଜନିତ ବିଷଗ୍ରସ୍ତତା କ୍ଷେତ୍ରରେ, ପୀଡିତକୁ ଉଷୁମ ପାଣିରେ ଟେବୁଲ୍ ଚାମଚ ପରିମିତ ଲୁଣ ପ୍ରଦାନ ଦ୍ୱାରା ବାନ୍ତି ପାଇଁ ପ୍ରବର୍ତ୍ତାଇବା ଉଚିତ । ବାନ୍ତିରେ ତରଳ ପଦାର୍ଥ ଉତ୍ତମ ରୂପେ ବାହାରିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଦୋହରାନ୍ତୁ । ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ, 5% ସୋଡିୟମ ବାଇକାର୍ବୋନେଟ୍ ଦ୍ରବଣ ସହିତ ଗ୍ୟାସଟ୍ରିକ୍ ଲାଭେଜ୍ ପ୍ରଦାନ କରନ୍ତୁ ।
2. ପ୍ରଚୁର ସାବୁନ ଓ ପାଣି ଦ୍ୱାରା ସଂକ୍ରମିତ ତ୍ୱଚାକୁ ପରିଷ୍କାର କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସଂକ୍ରମିତ ପୋଷାକକୁ ବାହାର କରନ୍ତୁ ଏବଂ ପୀଡିତକୁ ମୁକ୍ତ ବାୟୁକୁ ନିଅନ୍ତୁ ।
3. ଯଦି ଆଖି ସଂକ୍ରମିତ ହୋଇଥାଏ, ଅନ୍ତତଃ ପାଞ୍ଚ ମିନିଟ୍ ପାଇଁ ଆଖିକୁ ଉତ୍ତମ ରୂପେ ପାଣି ଛାଟି ପରିଷ୍କାର କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଡାକ୍ତରଙ୍କୁ ସୁପାରିଶ କରନ୍ତୁ ।
4. ତୁରନ୍ତ ଚିକିତ୍ସକଙ୍କୁ କଲ୍ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଯଦି ଆବଶ୍ୟକ ପଡେ ରୋଗୀକୁ ନିକଟସ୍ଥ ହସ୍ପିଟାଲ୍‌କୁ ନିଅନ୍ତୁ ।

ବିଷୋପଚାର:

କୌଣସି ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ବିଷୋପଚାର ନାହିଁ । ଲକ୍ଷଣାନୁସାରେ ଓ ସହାୟକାରୀ ଚିକିତ୍ସା କରନ୍ତୁ ।

ଭଣ୍ଡାରଣ:

1. କକ୍ଷ ଅଥବା ପରିସର ମଧ୍ୟରେ ରଖିବା ଅର୍ଥାତ୍ ତୃଣନାଶକ ଉତ୍ତମ ନିର୍ମାଣ, ଶୁଷ୍କ, ସହଜରେ ସ୍ଥାନାନ୍ତରଣ, ବାୟୁ ସଞ୍ଚାଳନ କରିପାରୁଥିବା ଏବଂ ପ୍ରସସ୍ତ ପରିସର ଥିବା ସ୍ଥାନରେ ରଖିବା ଉଚିତ ।
2. ତୃଣନାଶକ ଗଚ୍ଛିତ ପ୍ୟାକ୍‌କୁ ଅନ୍ୟ ବ୍ୟବହାରିକ ବସ୍ତୁ ବିଶେଷକରି ଖାଦ୍ୟଦ୍ରବ୍ୟ ଥିବା ଜିନିଷଠାରୁ ଦୂରରେ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର କକ୍ଷ ଅଥବା ପରିସର ମଧ୍ୟରେ ରଖିବା ଉଚିତ କିମ୍ବା ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଆଲମୀରାରେ ବନ୍ଦକରି ରଖିବାକୁ ହେବ ଏବଂ କି (ଚାବି) ପକାଇବା ତୃଣନାଶକର ପରିମାଣ ଓ ପ୍ରକୃତି ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ ।

ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ୟାକ୍, ବଳକା ପଦାର୍ଥ ଓ ତୃଣନାଶକର ବିନାଶ:

1. ତୃଣନାଶକ ରହିଥିବା ପ୍ୟାକ୍ ଅଥବା ବଳକା ଅଂଶକୁ ଏବଂ ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ରକୁ ପରିବେଶ ଅଥବା ଜଳ ପ୍ରଦୂଷଣକୁ ନିବାରଣ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସୁରକ୍ଷିତ ଉପାୟରେ ନଷ୍ଟ କରିବା ଉଚିତ ।
2. ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ୟାକ୍‌କୁ ପୁନର୍ବାର ବ୍ୟବହାର କରିବା ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ବାହାରେ ରଖିବା ଅନୁଚିତ ।
3. ପ୍ୟାକ୍‌କୁ ଭାଙ୍ଗି ବାସସ୍ଥାନଠାରୁ ଦୂରରେ ପୋତିବା ନିରାପଦ ଅଟେ ।

ରାସାୟନିକ ସମ୍ମିଶ୍ରଣ:

ପିରାଜୋସଲଫ୍ୟୁରନ୍ ଏଥିଲ୍ ଏ.ଆଇ. (୨୪% ଓ/ଓ ମିନ)	71.45 ଓ/ଓ
ନେପଥାଲେନେସଲଫୋନିକ୍ ଏସିଡ୍, ସୋଡିୟମ ସଲ୍ଟ, ପଲିମର ଫରମାଲଡିହାଇଡ୍ ସହିତ	6.00 ଓ/ଓ
ସୋଡିୟମ ଲିଗ୍ନୋସଲଫୋନେଟ୍	2.00 ଓ/ଓ
ନେପଥାଲେନେସଲଫୋନିକ୍ ଏସିଡ୍, ଡିବ୍ୟୁଟିଲ୍–ସୋଡିୟମ ସଲ୍ଟ (70%)	
ସୋଡିୟମ ସଲଫେଟ୍ (30%)	2.00 ଓ/ଓ
ଏମୋନିଅମ ସଲଫେଟ୍	18.55 ଓ/ଓ
ମୋଟ	100.00 ଓ/ଓ

ସତର୍କତା: ଏହି ଲେବଲ ଉପରେ ବର୍ଣ୍ଣିତ ହୋଇ ନଥିବା ଶସ୍ୟ ଉପରେ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ ନୁହେଁ ।

ବିନିର୍ମାତା:

ନିସାନ କେମିକାଲ୍ ଇଣ୍ଡଷ୍ଟ୍ରିଜ୍, ଲିଃ
କୋୱା – ହାଇଟୋସୁବାସୀ ବିଲ୍ଡିଂ, 7–1, 3–କୋମ୍, କାଣ୍ଡା–ନିଶିକି–କୋ,
ଚିୟୋଡା–କୁ ଟୋକିୟୋ – 101–0054, ଜାପାନ

ଆମଦାନୀ, ପ୍ୟାକ୍ ଓ ବିପଣନକର୍ତ୍ତା:

ଏନ୍‌ଏସିଏଲ୍ ଇଣ୍ଡଷ୍ଟ୍ରୀଜ୍ ଲିମିଟେଡ୍

(ପୂର୍ବରୁ 'ନାଗାର୍ଜୁନ ଏଗ୍ରିକେମ୍ ଲିମିଟେଡ୍' ରୂପେ ପରିଚିତ)
12ଏ, ସି ବ୍ଲକ, ଲକ୍ଷ୍ମୀ ଟାୱାର୍ସ, ନାଗାର୍ଜୁନା ହିଲସ୍, ପାଞ୍ଜାଗୁଟ୍ଟା, ହାୟଦ୍ରାବାଦ- 500 082, ତେଲଙ୍ଗନା, ଇଣ୍ଡିଆ
ଫ୍ୟାକ୍ଟୋରୀ: ଏଥାକୋଟା–533 238, ପୂର୍ବ ଗୋଦାବରୀ ଜିଲା, ଆନ୍ଧ୍ର ପ୍ରଦେଶ.

Size: H: 240 W:65mm

পাইৰাজ’চালফিউৰিন-ইথাইল 70% ডব্লিউডিজি
সিৰিয়চ
(সাশৰীৰ অপতৃণনাশক)
(কেৱল আমদানিৰ বাবে)

পাইৰাজ’চালফিউৰিন-ইথাইল 70% ডব্লিউডিজি হৈছে এবিধ নিৰ্বাচিত, সাশৰীৰ, অপতৃণ ওলোৱাৰ পূৰ্বে আৰু অপতৃণ ওলোৱাৰ ঠিক পিছতেই প্ৰয়োগ কৰিব পৰা অপতৃণনাশক। ইয়াক ধান খেতিত হোৱা বিভিন্ন অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে অনুমোদন কৰা হয়।

প্ৰয়োগ তথা ব্যৱহাৰৰ বাবে অনুমোদন:
পাইৰাজ’চালফিউৰিন-ইথাইল 70% ডব্লিউডিজি ধান খেতিত হোৱা তলত দিয়া ধৰণৰ অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে অনুমোদিত।

ব্যৱহাৰৰ বাবে অনুমোদন:

শস্য	অপতৃণনাশকৰ সাধাৰণ নাম	প্ৰতি হেক্টৰত মাত্ৰা		পানীত মিশ্ৰণ (লিটাৰ)	শেষৰবাৰ ছটিওৱাৰ পৰা শস্য চপোৱাৰ মাজৰ প্ৰতীক্ষাৰ সময় (দিন)
		স. উ. (গ্ৰাম)	সূত্ৰবদ্ধ (গ্ৰাম)		
ধান	1. টেঁঙেচি বন 2. কেংগ্ৰা বন 3. বিনয় বন 4. বিনয় বন 5. ভাতমেটেকা 6. বনজলকীয়া	21	30	500	43

প্ৰয়োগৰ সময় :
ধানৰ কঠীয়া সিঁচাৰ চাৰিৰ পৰা সাত দিনৰ পিছত, অপতৃণ ওলোৱাৰ পূৰ্বে, ছটিওৱা উচিত।

প্ৰয়োগৰ পদ্ধতি:
উৎপাদনৰ আৱশ্যকীয় পৰিমাণ জুখি লৈ অলপ পানীত ভালদৰে মিলাওক। বাকী থকা অৱশিষ্ট পানীখিনি মিলাই জোৰেৰে ঘূটি মিশ্ৰণ কৰক। উপযুক্ত স্প্ৰেয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰি ছটিয়াওক, যেনে হাৰ্বিচাইডেল নজল থকা নেপচেক স্প্ৰেয়াৰ (ফ্লেট ফেন নজল)। প্ৰতি হেক্টৰত 500 লিটাৰ পানী ব্যৱহাৰ কৰক।

উদ্ভিদ বিষাক্ততা:
অনুমোদন অনুসৰি ব্যৱহাৰ কৰিলে উৎপাদন উদ্ভিদ বিষাক্ত নহয়।

সতৰ্কতাসমূহ:
1. স্প্ৰে’ মিশ্ৰণৰ বাবে ৰন্ধা বাচন-বৰ্তন ব্যৱহাৰ নকৰিব।
2. শুদা হাতেৰে স্প্ৰে’ মিশ্ৰণ প্ৰস্তুত নকৰিব। স্প্ৰে’ মিশ্ৰণ প্ৰস্তুত কৰিবলৈ এডাল মাৰি ল’ব।
3. স্প্ৰে’ মিশ্ৰণ ল’ৰা-ছোৱালী, খোৱাবস্তু, পশুৰ দানা, গৰম আৰু খোলা জুইৰ পৰা আঁতৰত ৰাখক।
4. উশাহত ভিতৰলৈ যাবলৈ নিদিব আৰু চকুত লাগিবলৈ নিদিব।
5. ছটিয়াওতে ছালত লগাৰ পৰা ৰক্ষা পাবলৈ হাতমোজা, সুৰক্ষামূলক পোছাক, মুখা, চশ্মা, বুট জোতা পৰিধান কৰি ল’ব।
6. অপতৃণনাশক কেৱল বতাহ বলাৰ দিশত ছটিয়াব, বিপৰীত দিশত নহয় ফলত শৰীৰত লগাৰ পৰা বিৰত থাকিব পাৰিব।
7. নজলটোত মুখ নলগাব।
8. উৎপাদনটো প্ৰয়োগ কৰি থকাৰ সময়ত কোনো খাদ্য-বস্তু নাখাব, পানীয় নাখাব বা ধূমপান নকৰিব।
9. ব্যৱহাৰৰ পিছত স্প্ৰেয়াৰ পৰিস্কাৰ কৰি থ’ব আৰু পানী ব্যৱহাৰ কৰা বাল্টি তথা অন্য বাচন পৰিস্কাৰ কৰি থ’ব।
10. কাম হৈ যোৱাৰ পিছত কাপোৰ সলাই পেলাব আৰু চাবোন তথা প্ৰচুৰ পৰিমাণৰ পানীৰে হাত ধুব। লগতে দূষিত হোৱা কাপোৰ ধুই পেলাব।

বিষক্ৰিয়াৰ লক্ষণসমূহ:
পেটৰ অসুখ, শ্বসন নলী অৱৰুদ্ধ হোৱা, অত্যাধিক অশ্ৰুক্ষৰণ আৰু লেলাউটি ওলোৱা আদি।

প্ৰাথমিক চিকিৎসা:
1. যদি কেনেবাকৈ পেটলৈ যায়, তেন্তে ভুক্তভোগীক গৰম পানীত ডাঙৰ চামুচত নিমখ দি বমি কৰোৱাব। গোটেইখিনি ওলাই নহালৈকে বাৰে বাৰে বমি কৰোৱাব। যদি আৱশ্যক হয়, 5% ছ’ডিয়াম বাইকাৰ্ব’নেট চলিউশ্বনৰ সৈতে গেষ্ট্ৰিক লেভেজদিয়ক।
2. কাপোৰ সলাই পেলাই দূষিত হোৱা ছাল চাবোন আৰু প্ৰচুৰ পৰিমাণৰ পানীৰে ধোৱক আৰু ভুক্তভোগীক বিশুদ্ধ বতাহ চলাচল কৰা ঠাইলৈ নিয়ক।
3. যদি চকুত লাগে, অতি কমেও পাঁচ মিনিটমান সময়ৰ বাবে চকু ভালদৰে ধুই পেলাব আৰু চিকিৎসৰ পৰামৰ্শ ল’ব।
4. ততালিকে চিকিৎসকক মাতক আৰু যদি প্ৰয়োজন হয় তেন্তে ৰোগীক ওচৰৰ হাস্পতাললৈ লৈ যাওক।

বিষ প্ৰতিষেধক:
কোনো নিৰ্দিষ্ট বিষ প্ৰতিষেধক নাই। লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা কৰাওক।

সংগ্ৰাহ :
1. অপতৃণনাশক সংগ্ৰহ কৰি ৰখা কোঠালি বা চৌহদ ভালকৈ নিৰ্মিত, শুকান, ভালকৈ পোহৰ পৰা আৰু বতাহ চলাচল কৰিব পৰাকৈ তথা যথেষ্ট আহল-বহল হোৱা উচিত।
2. অপতৃণনাশক থকা পেকেটবোৰ অন্য সামগ্ৰী বিশেষকৈ খাদ্যবস্তু থোৱা কোঠালি বা চৌহদৰ পৰা আঁতৰত সুকীয়া কোঠালি বা চৌহদত জমা কৰি থোৱা উচিত বা অপতৃণনাশকৰ পৰিমাণ আৰু প্ৰকৃতিৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি সুকীয়া আলমাৰিত তলা মাৰি থোৱা উচিত।

ব্যৱহৃত পেকেট, থাকি যোৱা সামগ্ৰী আৰু অপতৃণনাশক ধোৱা পানীৰ নিষ্পত্তি:
1. পেকেটবোৰ ভাঙি-ছিঙি বসতিপূৰ্ণ ঠাইৰ পৰা আঁতৰত পুতি পেলাব লাগে।
2. ব্যৱহৃত পাত্ৰসমূহ পুনৰ ব্যৱহাৰ নহ’বৰ বাবে বাহিৰত থ’ব নেলাগে।
3. বাতাবৰণ আৰু পানী প্ৰদূষিত হোৱাৰ ক্ষতিশংকা ৰোধ কৰিবৰ বাবে পেকেটবোৰ বা থাকি যোৱা সামগ্ৰী আৰু মেছিন তথা পাত্ৰবোৰ ধোৱা পানীখিনি নিৰাপদভাৱে পেলাব লাগে।

ৰাসায়নিক গঠন:

পাইৰাজ’চালফিউৰিন ইথাইল সক্ৰিয় উপাদান (98% ডব্লিউ/ডব্লিউ মিন)	71.45% ডব্লিউ/ডব্লিউ
নেফথালিনচালফোনিক এচিড, ছ’ডিয়াম চল্ট, ফৰ্মেল্ডিহাইডৰ সৈতে পলিমাৰ	6.00% ডব্লিউ/ডব্লিউ
ছ’ডিয়াম লিগ্ন’চালফোনেট	2.00% ডব্লিউ/ডব্লিউ
নেফথালিনচালফোনিক এচিড, ডাইবুটিল-ছ’ডিয়াম চল্ট (70%) ছ’ডিয়াম চালফেট (30%)	2.00% ডব্লিউ/ডব্লিউ
এমোনিয়াম চালফেট	18.55% ডব্লিউ/ডব্লিউ
মুঠ:	**100.00% ডব্লিউ/ডব্লিউ**

প্ৰস্তুতকৰ্তা:
নিছান কেমিকেল ইণ্ডাষ্ট্ৰিজ, লিমিটেড
ক’ৱা-হিটটচুবাশ্বি বিল্ডিং, 7-1,3- কমে, কাণ্ডা-নিশ্বিকি-চ’,
চিয়ডা-কু টকিয়-101-0054, জাপান

আমদানিকৃত, পুন: পেকিং আৰু বিপণনকৰ্তা:

এনএচিএল ইণ্ডাষ্ট্ৰিজ লিমিটেড
(পূৰ্বতে ‘নাগাৰ্জুনা এগ্ৰিকেম লিমিটেড’ হিচাপে জনা গৈছিল)
প্লট নং. ১২-এ, “চি” ব্লক, লক্ষ্মী টাৱাৰ্চ, নাগাৰ্জুন হিল্চ,
পঞ্জগুট্টা, হাইদৰাবাদ - ৫০০ ০৮২, তেলেঙ্গানা আৰু ভাৰত
ফেক্টৰী: ইথাকটা - ৫৩৩ ২৩৮, কঞ্জুমাৰ কেয়াৰ চেল - এগজিকিউটিভ,

ಪೈರಝೊಸಲ್ಫ್ಯೂರಾನ್-ಇಥ್ಯಾಲ್ 70% ಡಬ್ಲ್ಯುಡಿಜಿ
ಸಿರಿಯಸ್
(ಅಂತರ್‌ವ್ಯಾಪಿ ಕಳೆನಾಶಕ)
(ಆಮದು ಮಾಡುವ ಸಲುವಾಗಿ ಮಾತ್ರ)

ಪೈರಝೊಸಲ್ಫ್ಯೂರಾನ್-ಇಥ್ಯಾಲ್ 70 % ಡಬ್ಲ್ಯುಡಿಜಿ ಇದೊಂದು ಆಯ್ದ, ಅಂತರ್‌ವ್ಯಾಪಿ, ಉದಯಪೂರ್ವ ಮತ್ತು ಕಳೆಗಳು ಹುಟ್ಟಿದ ನಂತರ ಆರಂಭಿಕವಾಗಿ ಬಳಸಲಾಗುವ ಕಳೆನಾಶಕವಾಗಿದೆ ಮತ್ತು ಭತ್ತದ ಅನೇಕ ಕಳೆಗಳ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕಾಗಿ ಇದನ್ನು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ.

ಬಳಸುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉಪಯೋಗದ ಸಲುವಾಗಿ ಶಿಫಾರಸು:
ಪೈರಝೊಸಲ್ಫ್ಯೂರಾನ್-ಇಥ್ಯಾಲ್ 70% ಡಬ್ಲುಯಡಿಜಿಯನ್ನು ಭತ್ತದ ಈ ಕೆಳಗಿನ ಕಳೆಗಳ ನಿಯಂತ್ರಕ್ಕಾಗಿ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ.

ಉಪಯೋಗದ ಶಿಫಾರಸುಗಳು :

ಬೆಳೆ	ಕಳೆಗಳ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಪ್ರಮಾಣ/ಹೆ		ನೀರು (ಲೀ)	ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪರಣೆಯಿಂದ ಕೊಯ್ಲಿನ ತನಕ ಕಾಯಬೇಕಾದ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳು)
		ಸ. ಫ. (ಕಿ. ಗ್ರಾಂ.)	ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್ (ಕಿ. ಗ್ರಾಂ.)		
ಭತ್ತ	1. ಕಾಡುಹಾರಕ, ಓತಗಡ್ಡಿ 2. ಕಾಡುದಬ್ಬೆಹುಲ್ಲು 3. ಕೊರನಾರಿಗೆಡ್ಡೆ, ಗೇಕು, ತುಂಗೆಗಡ್ಡೆ, ತುಂಗೆಹುಲ್ಲು 4. ತಮಾರ, ನೀಲೋತ್ಪಲ 5. ನೀರುದಂಟು, ಲವಂಗದ ಗಿಡ 6. ಅಂತರಗಂಗೆ	21	30	500	43

ಬಳಸುವ ಸಮಯ:
ಭತ್ತದ ಸಸಿಗಳ ನಾಟಿಮಾಡಿದ ನಂತರ ನಾಲ್ಕರಿಂದ ಏಳು ದಿನಗಳ ನಂತರ , ಕಳೆಗಳು ಹುಟ್ಟುವ ಮೊದಲು ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು.

ಬಳಸುವ ವಿಧಾನ:
ಆವಶ್ಯಕ ಪ್ರಮಾಣದ ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು ಅಳತೆ ಮಾಡಿರಿ ಮತ್ತು ಅದನ್ನು ಅಲ್ಪ ಪ್ರಮಾಣದ ನೀರಿನೊಂದಿಗೆ ಮಿಶ್ರಮಾಡಿರಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕದಡಿಸುತ್ತಾ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಪಡಿಸಲಾದ ಪ್ರಮಾಣದ ಉಳಿದ ನೀರಿಗೆ ಹಾಕಿರಿ. ಸೂಕ್ತವಾದ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಿಂದ ಅಂದರೆ, ಹರ್ಬಿಸೈಡಲ್ ನಾಝಲ್‌ನ್ನು ತಾಗಿಸಲಾದ (ಫ್ಲ್ಯಾಟ್ ಫ್ಯಾನ್ ನಾಝಲ್) ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಿಂದ ಸಿಂಪಡಿಸಿರಿ. ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ 500 ಲೀಟರ್ ನೀರು ಉಪಯೋಗಿಸಿರಿ.

ಸಸ್ಯ ವಿಷಕಾರಿತ್ವ:
ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾದಂತೆ ಉಪಯೋಗಿಸಿದಾಗ ಸಸ್ಯ ವಿಷಕಾರಿಯಲ್ಲ.

ಮುಂಜಾಗರೂಕತೆಗಳು:
1. ಸಿಂಪರಣೆಗಳನ್ನು ತಯಾರಿಸಲು ಅಡುಗೆ ಪಾತ್ರೆಗಳನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಡಿ
2. ಸಿಂಪರಣಾ ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಕದಡಿಸಲು ಬರಿಗೈಯನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಡಿ. ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಕದಡಿಸಲು ಸಲಾಕೆಯನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಿರಿ.
3. ಮಕ್ಕಳು, ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳು, ಪಶುಗಳ ಮೇವು, ಉಷ್ಣ ಮತ್ತು ಉರಿಯುವ ಬೆಂಕಿಯಿಂದ ದೂರವಿರಿಸಿರಿ.
4. ಶ್ವಾಸದೊಳಗೆ ಹೋಗದಂತೆ ಮತ್ತು ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾಗದಂತೆ ತಡೆಯಿರಿ.
5. ತ್ವಚೆಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾಗದಂತೆ ತಡೆಯಲು ಸಿಂಪಡಿಸುವಾಗ ಕೈ ಚೀಲ, ಸಂರಕ್ಷಕ ಬಟ್ಟೆ, ಮುಖವಾಡ, ಗಾಗಲ್, ಬೂಟುಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿರಿ.
6. ತುಂತುರು ಶರೀರದ ಮೇಲೆ ಕೂರುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಲು ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಗಾಳಿ ಬೇಸುವ ದಿಕ್ಕಿನತ್ತ ಮಾತ್ರ ಸಿಂಪಡಿಸಿರಿ ಮತ್ತು ಅದರ ವಿರುದ್ಧ ದಿಕ್ಕಿಗಲ್ಲ.
7. ನಾಝಲ್‌ನ್ನು ಬಾಯಿಯಿಂದ ಊದಬೇಡಿ
8. ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುವಾಗ ಅಥವಾ ಬಳಸುವಾಗ ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಬೇಡಿ, ಕುಡಿಯಬೇಡಿ ಅಥವಾ ಧೂಮಪಾನ ಮಾಡಬೇಡಿ
9. ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ಗಳನ್ನು, ಬಕೇಟುಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಇತರ ಪಾತ್ರೆಗಳನ್ನು ಪ್ರತಿ ದಿನ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ.
10. ಕೆಲಸ ಮುಗಿದ ನಂತರ ಕೈಗಳನ್ನು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಧಾರಾಳ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಅಲ್ಲದೆ ಕಲ್ಮಶಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ತೊಳೆಯಿರಿ.

ವಿಷ ತಗಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು:
ಭೇದಿ, ಉಸಿರಾಟದ ತೊಂದರೆ, ಅಧಿಕ ಕಣ್ಣೀರು ಸುರಿತ ಮತ್ತು ಜೊಲ್ಲು ಸುರಿತ.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸಾ ವಿಧಾನಗಳು:
1. ಹೊಟ್ಟೆ ಸೇರುವ ಮೂಲಕ ವಿಷಬಾಧೆಯಾಗಿದ್ದರೆ, ಬೆಚ್ಚಗಿನ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಟೇಬಲ್ ಚಮಚೆ ಉಪ್ಪನ್ನು ನೀಡುವ ಮೂಲಕ ಪರಿಣಾಮಗೊಂಡ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ ವಾಂತಿಯಾಗುವ,ತೆ ಪ್ರೇರೇಪಿಸಬೇಕು. ವಾಂತಿಯ ದ್ರವವು ತಿಳಿಯಾಗುವ ತನಕ ಪುನರಾವರ್ತಿಸಿರಿ. ಆವಶ್ಯಕ ಎಂದಾದರೆ, 5% ಸೋಡಿಯಂ ಬೈಕಾರ್ಬೋನೇಟ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಗ್ಯಾಸ್ಟ್ರಿಕ್ ಲ್ಯಾವೇಜ್ ನೀಡಿರಿ
2. ಕಲ್ಮಶಗೊಂಡ ತ್ವಚೆಯನ್ನು ಧಾರಾಳ ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ ಮತ್ತು ಕಲ್ಮಶಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಕಳಚಿರಿ ಮತ್ತು ಪರಿಣಾಮಗೊಂಡ ವ್ಯಕ್ತಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಗಾಳಿಯಲ್ಲಿರಿಸಿರಿ.
3. ಒಂದು ವೇಳೆ ಕಣ್ಣುಗಳು ಕಲ್ಮಶಗೊಂಡಿದ್ದರೆ ಕನಿಷ್ಠ ಐದು ನಿಮಿಷ ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಚಿಮುಕಿಸಿರಿ ಮತ್ತು ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ.
4. ಕೂಡಲೇ ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಬರಮಾಡಿಸಿರಿ ಮತ್ತು ಆವಶ್ಯಕ ಎಂದಾದರೆ ರೋಗಿಯನ್ನು ಅತಿ ಹತ್ತಿರದ ಆಸ್ಪತ್ರೆಗೆ ಒಯ್ಯಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ:
ನಿರ್ದಿಷ್ಟವಾದ ಪ್ರತ್ಯೌಷಧವಿಲ್ಲ. ಲಕ್ಷಣಗಳಿಗನುಸಾರ ಮತ್ತು ಬೆಂಬಲ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ಮಾಡಿರಿ.

ಶೇಖರಣಾ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳು:
1. ಕಳೆನಾಶವಕವನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಟ್ಟಿರಬೇಕು, ಶುಷ್ಕವಾಗಿರಬೇಕು, ಉತ್ತಮ ಗಾಳಿ ಬೆಳಕು ಇರಬೇಕು ಮತ್ತು ಹಬೆಯಿಂದ ಮಲಿನವಾಗದಂತಿರಲು ಸಾಕಷ್ಟು ವಿಶಾಲವಾಗಿರಬೇಕು.
2. ಕಳೆನಾಶಕವನ್ನು ಒಳಗೊಂಡಿರುವ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೋಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಲ್ಲಿ ಇತರ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅದರಲ್ಲೂ ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆಗಳು ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಿಗೆ ದೂರವಾಗಿ ಶೇಖರಿಸಿಡಬೇಕು ಅಥವಾ ಕಳೆನಾಶಕದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಸ್ವಭಾವವನ್ನು ಪರಿಗಣಿಸಿ ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಅಲಮಾರಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗಹಾಕಿ ಭದ್ರವಾಗಿ ಇರಿಸಬೇಕು.

ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳು, ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳು ಮತ್ತು ಕಳೆನಾಶಕವನ್ನು ತೊಳೆದ ನೀರಿನ ವಿಸರ್ಜನೆ
1. ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಒಡೆಯಬೇಕು ಮತ್ತು ಜನವಸತಿಗೆ ದೂರವಾಗಿ ಹುಗಿಯಬೇಕು.
2. ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳ ಮರು ಉಪಯೋಗವನ್ನು ತಡೆಯಲು ಅವನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಗೆಯೇ ಬಿಟ್ಟಿರಬಾರದು.
3. ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಮಶೀನು ಮತ್ತು ಕಂಟೈನರ್‌ಗಳನ್ನು ತಒಳೆದ ನೀರು ಇವೆಲ್ಲವನ್ನೂ ಪರಿಸರ ಮತ್ತು ಜಲಮಾಲಿನ್ಯವಾಗದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿಸರ್ಜಿಸಬೇಕು.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ :

ಪೈರಝೊಸಲ್ಫುರಾನ್ ಇಥ್ಯಾಲ್ ಸ.ಫ. (98 % ತೂ/ತೂ ಕನಿಷ್ಠ)	71.45% ತೂ/ತೂ
ನಾಫ್ತಾಲಿನ್‌ಸಲ್ಫೊನಿಕ್ ಆಸಿಡ್, ಸೋಡಿಯಂ ಸಾಲ್ಟ್, ಫಾರ್ಮಲ್‌ಡಿಹೈಡೆಯೊಂದಿಗೆ ಪಾಲಿಮರ್	6.00% ತೂ/ತೂ
ಸೋಡಿಯಂ ಲಿಗ್ನೋ ಸಲ್ಫೊನೇಟ್	2.00% ತೂ/ತೂ
ನಾಫ್ತಾಲಿನ್‌ಸಲ್ಫೊನಿಕ್ ಆಸಿಡ್, ಡುಬುಟೈಲ್-ಸೋಡಿಯಂ ಸಾಲ್ಟ್(70%) ಸೋಡಿಯಂ ಸಲ್ಫೇಟ್ (30%)	2.00% ತೂ/ತೂ
ಅಮೋನಿಯಂ ಸಲ್ಫೇಟ್	18.55% ತೂ/ತೂ
ಒಟ್ಟು:	**100.00% ತೂ/ತೂ**

ಉತ್ಪಾದಕರು :
ನಿಸ್ಸಾನ್ ಕೆಮಿಕಲ್ ಇಂಡಸ್ಟ್ರೀಸ್, ಲಿ.
ಕೊವಾ-ಹಿಟೊಟ್‌ಸುಬಶಿ ಬಿಲ್ಡಿಂಗ್, 7-1,3-ಕೊಮೆ, ಕಂದಾ- ನಿಶಿಕಿ-ಚೊ,
ಚಿಯೊಡಾ -ಕು ಟೋಕಿಯೊ -101-0054, ಜಪಾನ್

ಜಾಗ್ರತೆ: ಈ ಲೇಬಲ್ ನಿರ್ದಿಷ್ಟವಾಗಿ ಹೇಳಲಾದ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಇತರ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಬಳಸಬಾರದು.

ಆಮದು ಮಾಡುವವರು, ಪ್ಯಾಕ್ ಮಾಡುವವರು ಮತ್ತು ಮಾರಾಟ ಮಾಡುವವರು :

ಎನ್ಎಸಿಎಲ್ ಇಂಡಸ್ಟ್ರೀಸ್ ಲಿಮಿಟೆಡ್
(ಈ ಹಿಂದೆ ‘ನಾಗಾರ್ಜುನ ಅಗ್ರಿಕೆಮ್ ಲಿಮಿಟೆಡ್’ ಎಂದು ಕರೆಯಲಾಗುತಿತ್ತು)
ಪ್ಲಾಟ್ ನಂ.12-ಎ, “ಸಿ” ಬ್ಲಾಕ್, ಲಕ್ಷ್ಮೀ ಟವರ್ಸ್, ನಾಗಾರ್ಜುನ ಹಿಲ್ಸ್, ಪಂಜಗುಟ್ಟ,
ಹೈದಾರಾಬಾದ್ -500 082, ತೆಲಂಗಾಣ, ಭಾರತ
ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿ : ಈಥಕೋಟ - 533 238, ಈಸ್ಟ್ ಗೋದಾವರಿ ಜಿಲ್ಲೆ, ಆಂಧ್ರಪ್ರದೇಶ, ಭಾರತ.

பைராஜோசல்ஃபுரான்-ஈதைல் 70% டபில்யூடிஜி
சீரியஸ்
(சிஸ்டமிக் களைக்கொல்லி)
(இறக்குமதிக்கு மட்டும்)

பைராஜோசல்ஃபுரான்-ஈதைல் 70% டபில்யூடிஜி என்பது ஒரு தேர்ந்தெடுக்கப்பட்ட, சிஸ்டமிக், முன்னதாக வளரக்கூடிய மற்றும் தாமதமாக வளரந்த ஆரம்பக்கட்ட நிலையில் அரிசிப் பயிர்களில் உண்டாகும் பலவகையான களைகளைக் கட்டுப் படுத்தக் கூடியது.

தெளித்தல் - பயன்படுத்துவதற்கான பரிந்துரை:
பைராஜோசல்ஃபுரான்-ஈதைல் 70% டபில்யூடிஜி என்பது நெல் பயிரில் உண்டாகும் கீழ்காணும் களைக்களைக் கட்டுப்படுத்தக் கூடியது ஆகும்.

உபயோகிப்பவர்களுக்கான பரிந்துரைகள் :

பயிர்	களைகளின் பொதுப் பெயர்	அளவு / ஹெ		நீரில் அளவு (லிட்)	கடைசி தெளிப் பிலிருந்து அறுவடைக்கு இடையே காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்)
		தீ. மூ. (கிராம்)	கலவை (கிராம்)		
நெல்	1. வர்சனாம்புல் 2. குதிரைவாலி 3. கோரை 4. நீர்த்தாமரரை 5. முசர் கதிலை 6. ஆராக்கீரை	21	30	500	43

பயன்படுத்தும் காலம்:
களைகள் முளைக்கும் முன்னரே மருந்து தெளித்து விட வேண்டும், நெல் நாற்றுகளை பிடுங்கி நட்டப் பின்னர் நான்கு முதல் ஏழு நாட்களில் மருந்து தெளித்து விட வேண்டும்.

மருந்து தெளிக்கும் முறை:
போதிய அளவு மருந்தை அளந்து எடுத்துக் கொள்ளவும் மற்றும் இதனை சிறிது அளவு தண்ணீருடன் கலந்து நன்றாக கலந்து கொள்ளவும். குறிப்பிடப்பட்டுள்ள அளவு தண்ணீரில் பின்னர் இதனை கலந்து வைத்துக் கொள்ளவும். பொறுத்தமான ஸ்பிரேயருடன் தெளிக்கவும் குறிப்பாக நேப்ஷேக் ஸ்பிரேயரில் காளான்கொல்லி நோஜல் பொறுத்தி (தட்டையான ஃபேன் நோஜல்) தெளிக்கவும். ஒரு ஹெக்டருக்கு 500 லிட்டர்கள் தண்ணீரைப் பயன்படுத்தவும்.

பைதாடாக்ஸிசிட்டி
இந்த தயாரிப்பு நான் - பைதாடாக்ஸிசிட்டியாக செயல்படுகிறது, இதனை பரிந்துரையின்படி பயன்படுத்துகையில்.

முன்னெச்சரிக்கைகள்:
1. தெளிக்க பயன்படுத்தும் மருந்தை தயாரிக்க சமையல் பாத்திரங்களைப் பயன்படுத்த வேண்டாம்.
2. ஸ்பிரே செய்ய பயன்படுத்தவிருக்கும் மருந்தை கைகளால் கலக்க வேண்டாம். இந்த ஸ்பிரே கலவையை ஏதேனும் குச்சி கொண்டு கலக்கவும்.
3. குழந்தைகளிடமிருந்து, உணவுப்பொருட்களிடமிருந்து, மிருகங்களின் தீவணங்களிலிருந்து, உஷ்ணம் மற்றும் நெருப்பிலிருந்து விலக்கி வைக்கவும்.
4. மருந்தை சுவாசித்தலை மற்றும் கண்களில் படாதபடி பார்த்துக் கொள்ளுங்கள்.
5. கையுறைகளை அணிந்து கொள்ளவும், பாதுகாப்பான ஆடைகள், முகமூடி, கண்ணுக்கு கண்ணாடி, காலணிகள் ஆகியவைகளை அணிந்து கொண்டு மருந்து தெளிக்கையில் அவை சருமத்தில் படாதபடி பார்த்துக் கொள்ளுங்கள்.
6. காற்று வீசும் திசையில் மட்டுமே பூச்சிக் கொல்லி மருந்துகளை தெளிக்கவும் மற்றும் காற்றுக்கு எதிரான திசையில் தெளித்து அவை உங்கள் உடலில் தெளிக்கும் படி விட வேண்டாம்.
7. வாயால் நோஜலை ஊதிவிட வேண்டாம்.
8. மருந்தை கையாளும்போது மற்றும் தெளிக்கும் போது சாப்பிடவோ, குடிக்கவோ அல்லது புகைபிடிக்கவோ கூடாது.
9. ஸ்பிரேயர்கள், வாளிகள் மற்றும் பிற பாத்திரங்களை பயன்படுத்தியப் பின்னர் தண்ணீர் கொண்டு நன்றாக கழுவி விடவும்.
10. மருந்து தெளித்தப் பின்னர் கைகளை சோப்பு போட்டு அதிக தண்ணீர் கொண்டு நன்றாக கழுவிக் கொள்ளவும் மற்றும் வேலை முடிந்ததும் உடனடியாக ஆடைகளை மாற்றிக் கொள்ளவும். கூடவே மருந்து கறைபட்ட துணிகளை துவைத்து விடவும்.

விஷம் உண்டானதற்கான அறிகுறிகள்:
வயிற்றுக்கடுப்பு, சுவாசக்குழல் பாதிப்பு, அதிகப்படியான வியர்வை மற்றும் உமிழ்நீர் சுரத்தல் ஆகியன.

முதலுதவி நடவடிக்கைகள்:
1. உட்சுவாசித்தல் மூலமாக விஷம் ஏறிப்போனால், பாதிக்கப்பட்டவருக்கு வெதுவெதுப்பான தண்ணீரில் தேக்கரண்டி உப்பு கலந்து கொடுத்து அவரை வாந்தி எடுக்கச் செய்ய வேண்டும். வாந்தி நீர் தெளிவாக வரும் வரையில் இதனை தொடர்ந்து கொண்டிருக்கவும். அவசியமானால், கேஸ்டிரிக் லாவேஜை 5% சோடியம் பைகார்பனேட் கலவையுடன் கலந்து கொடுக்கவும்.
2. மருந்து பட்ட சருமப் பகுதியை அதிகப்படியான தண்ணீர் மற்றும் சோப்பு கொண்டு நன்றாக கழுவிக் கொள்ளவும் மற்றும் மருந்து கறைபட்ட ஆடைகளை அகற்றவும் மற்றும் பாதிக்கப்பட்டவரை சுகாதாரமான காற்றுப்பகுதியில் வைக்கவும்.
3. கண்களில் மருந்து பட்டுவிட்டால், கண்ணில் குறைந்த ஐந்து நிமிடங்களுக்காவது தூய்மையான தண்ணீரைக் விட்டு கழுவவும் மற்றும் மருத்துவரை உடனடியாகப் பார்க்கவும்.
4. மருத்துவரை உடனடியாக அழைக்கவும் மற்றும் அவசியப்பட்டால் பாதிக்கப்பட்டவரை அருகிலிருக்கும் மருத்துவமனைக்கு கூட்டிச் செல்லவும்.

மாற்று மருந்து:
குறிப்பிட்ட மாற்று மருந்து ஏதேமில்லை. அறிகுறிக்குத் தக்கபடி கவனித்துக் கொள்ளவும் மற்றும் ஆதரவான மருத்துவசிகிச்சையைக் கொடுக்கவும்.

சேமித்துவைக்க நிபந்தனைகள்:
1. களைக்கொல்லிகளை சேமித்து வைக்கும் அறைகள் அல்லது கட்டிடங்கள் சிறப்பான முறையில் கட்டப்பட்டிருக்க வேண்டும், உலர்வாக, நன்றாக ஒளியமைக்கப்பட்டு மற்றும் காற்றோட்டம் மிக்கதாக இருக்க வேண்டும் மற்றும் அவைகள் நீராவியாகி விரயமாகி விடாதபடிக்கு அவ்விடம் அமைக்கப்பட்டிருக்க வேண்டும்.
2. களைக்கொல்லிகள் அடங்கிய பேக்கேஜ்களை தனியான அறைகளில் அல்லது கட்டிடங்களில் சேமித்து வைக்க வேண்டும், அதாவது இது உணவுப் பொருட்கள் போன்றவற்றை சேமித்து வைக்கும் அறைகளில் அல்லது கட்டிடங்களில் வைக்கக் கூடாது அல்லது தனியான அலமாறிகளில் களைக்கொல்லிகளின் தன்மை மற்றும் அளவுக்குத் தக்கபடி அவைகளைப் பூட்டி வைக்க வேண்டும்.

பயன்படுத்திய பேக்கேஜ்கள், அதிகப்படியான பொருட்கள் மற்றும் காளான்கொல்லியைக் கழுவுதல்:
1. பேக்கேஜ்கள் அனைத்தும் உடைக்கப்பட வேண்டும் மற்றும் வசிப்பிடங்களிலிருந்து தொலைவில் புதைக்கப்பட வேண்டும்.
2. பயன்படுத்தப்பட்ட பேக்கேஜ்கள் வீட்டிற்கு வெளியே வைக்கக் கூடாது, இதனால் அவைகள் மீண்டும் பயன்படுத்துவதை தவிர்க்க வேண்டும்.
3. பேக்கேஜ்கள் அல்லது மீதமான பொருட்கள் மற்றும் இயந்திரங்கள் மற்றும் கண்டெய்னர்களிலிருந்து கழுவப்படுபவைகள் அனைத்தும் பாதுகாப்பான முறையில் அப்புறப்படுத்தப்பட வேண்டும், இதனால் சுற்றுச்சூழல் மற்றும் தண்ணீர் மாசுபடுதலைத் தவிர்க்கலாம்.

இரசாயனக் கலவை :

பைராஜோசல்ஃபுரான் ஈதைல் அதாவது (98% எ/எ மின்)	71.45% எ/எ
நேப்தாலின்சல்ஃபோனிக் அமிலம், சோடியம் உப்பு, பாலிமருடன் ஃபார்மல்டிஹைட்	6.00% எ/எ
சோடியம் லிகோஸ்சல்ஃபோனெட்	2.00% எ/எ
நேப்தலின்சல்ஃபோனிக் அமிலம், டைபுட்டில்-சோடியம் உப்பு (70%) சோடியம் சல்ஃபேட் (30%)	2.00% எ/எ
அமோனியம் சல்ஃபேட்	18.55% எ/எ
மொத்தம்	**100.00% எ/எ**

தயாரிப்பாளர்கள்:
கெமிக்கல் இண்டஸ்டிரிஸ், லிமிடெட்
கோவா-ஹிட்டோட்சுபாஷி பில்டிங், 7-1, 3-கோம், கந்தா-நிஷிக்கி-சோ,
சியோடா-கு, டோக்யோ - 101-0054, ஜப்பான்

எச்சரிக்கை: இந்த முகப்புச் சீட்டில் பிரசுரத்தில் குறிப்பிட்டு இருக்காத பயிர்கள் மீது பயன்படுத்தக் கூடாது.

இறக்குமதி, மறுபடியும்பேக் செய்தது மற்றும் விநியோகித்தது:

என்ஏசிஎல் இண்டஸ்ட்ரீஸ் லிமிடெட்
(முன்னர் ‘நாகார்ஜுனா அக்ரிகெம் லிமிடெட்’ என்று அழைக்கப்பட்டது)
பிளாட் எண் 12-அ, ‘C’-பிளாக், லக்ஷ்மி டவர்ஸ், நாகார்ஜுனா ஹில்ஸ்,
புஞ்சகுட்டா, ஹைதிராபாத் - 500 082, தெலுங்கானா, இந்தியா
ஆந்திரப் பிரதேசம், இந்தியா.
ஃபேக்டரி : எதாகோட்டா - 533 238, ஆந்திரப் பிரதேசம், இந்தியா.

పైరజోసల్ఫురాన్-ఇథైల్ 70% డబ్ల్యుడిజి
సిరియస్
(అంతర్వాహిక కలుపునాశని)
(దిగుమతి కొరకు మాత్రమే)

పైరజోసల్ఫురాన్-ఇథైల్ 70% డబ్ల్యుడిజి అనేది ఎంపికచేసిన, అంతర్వాహిక, మొలవక ముందు మరియు మొలక వచ్చిన వెంటనే ఉపయోగించవలసిన కలుపునాశని మరియు వరిలో వివిధ రకాల కలుపులను నియంత్రించేందుకు ఉపయోగించవలసిందిగా సిఫారసు చేయబడుతోంది.

వినియోగం మరియు ఉపయోగించేందుకు సిఫారసు:
పైరజోసల్ఫురాన్-ఇథైల్ 70% డబ్ల్యుడిజి అనేది వరిలో ఈ క్రింది కలుపులను నియంత్రించేందుకు సిఫారసు చేయబడుతోంది.

వాడేందుకు నిర్దేశనం:

పంట	కలుపుమొక్కల సాధారణ నామము	మోతాదు/హెక్టారుకు		కలపవలసిన నీళ్ళు (లీటర్లు)	చివరి పిచికారికి మరియు కోతకు మధ్య వేచివుండవలసిన సమయం (రోజుల్లో)
		ఎ.ఐ. (గ్రాం)	సూత్రీకరణ (గ్రాం)		
వరి	1. దొంగ వరి 2. ఊద 3. శాఖతుంగ గడ్డి 4. గుర్రపుడెక్క 5. లవంగము మొగ్గ చెట్టు 6. పిల్లి అడుగు	21	30	500	43

వినియోగించవలసిన సమయం:
వరి నాటు వేసిన తరువాత నాలుగు నుంచి ఏడు రోజులకు, కలుపులు రావడానికి ముందు పిచికారి చేయాలి.

వినియోగించే పద్ధతి:
ఉత్పాదనను కొలత ప్రకారం తీసుకొని కొద్ది పాటి నీళ్ళు కలిపి బాగా మిశ్రమం చేయండి. తెలియజేసిన మేరకు మిగతా నీటిని కలిపి కలియబెట్టండి. సరిపోయిన స్ప్రేయర్‌తో పిచికారి చేయండి. అంటే కలుపునాశక నాజిల్ (ఫ్లాట్ ఫ్యాన్ నాజిల్) బిగించిన న్యాప్‌సాక్ స్ప్రేయర్. ఒక్కో హెక్టారుకు 500 లీటర్ల నీటిని ఉపయోగించండి.

ప్రధానపైరుపై విషప్రభావము:
సిఫారసు ప్రకారం ఉపయోగించినప్పుడు ఈ ఉత్పాదన మొక్కలపై విషప్రభావము చూపదు.

ముందుజాగ్రత్తలు:
1. పిచికారిలు తయారుచేసేందుకు వంట పాత్రలు ఉపయోగించకండి.
2. ఒట్టి చేతులతో పిచికారి ద్రావకాన్ని కలియబెట్టవద్దు. పిచికారి ద్రావకాన్ని కలియబెట్టేందుకు కర్ర ఉపయోగించండి.
3. పిల్లలకు, ఆహారపదార్థాలకు, జంతువుల దాణాకు, వేడికి మరియు బహిరంగ మంటకు దూరంగా ఉంచండి.
4. పీల్చకండి మరియు కళ్ళకు తగలనివ్వకండి.
5. పిచికారి చేసేటప్పుడు చర్మానికి తగలకుండా ఉండేందుకు చేతికి గ్లౌజులు, రక్షణాత్మక బట్టలు, మాస్క్, చలువ కళ్ళద్దాలు, బూట్లు ధరించండి.
6. తుంపరలు శరీరంపై పడకుండా నిరోధించేందుకు వీలుగా గాలికి వ్యతిరేక దిశలో కాకుండా గాలి వీచే దిశలో మాత్రమే కలుపునాశినిని పిచికారి చేయండి.
7. నోటితో నాజిల్‌ని ఊదకండి.
8. ఉత్పాదనను కలిపేటప్పుడు లేదా వినియోగించేటప్పుడు తినకూడదు, తాగకూడదు లేదా ధూమపానం చేయకూడదు.
9. ప్రతి రోజూ వాడిన తరువాత పిచికారిలు, బక్కెట్‌లు మరియు ఇతర పాత్రలను నీటితో శుభ్రంచేయండి.
10. సబ్బు మరియు ఎక్కువ నీటితో చేతులు కడుక్కోండి మరియు పని పూర్తయిన తరువాత బట్టలు మార్చుకోండి. మలినపడిన బట్టలను కూడా ఉతకండి.

విషపు లక్షణాలు:
అతిసారం, శ్వాస ఇబ్బంది, ఎక్కువగా చొంగకారడం మరియు లాలాజలం ఊరడం.

ప్రాథమిక చికిత్స చర్యలు:
1. ఒకవేళ మింగడం వల్ల విషపూరితమైతే, గోరువెచ్చని నీటిలో ఒక పెద్ద చెంచా ఉప్పు కలిపి బాధితుడితో తాగించి వాంతులు చేసుకొనేలా చేయాలి. వాంతులు అయ్యేంత వరకు ఇలా పదేపదే చేయాలి. అవసరమైతే, 5% సోడియం బైకార్బొనేట్ ద్రావకంతో గ్యాస్ట్రిక్ లావేజ్ ఇవ్వండి.
2. మలినపడిన చర్మాన్ని సబ్బు మరియు నీటితో కడగండి మరియు మలినపడిన బట్టలు తీసేసి బాధితుడిని తాజా గాలి వీచే చోటుకు తీసుకెళ్ళండి.
3. కళ్ళు మలినపడితే, కనీసం అయిదు నిమిషాల సేపు కళ్ళను బాగా నీళ్ళతో శుభ్రంగా కడిగి మరియు డాక్టరు వద్దకు తీసుకెళ్ళండి.
4. వెంటనే డాక్టరును పిలిపించండి మరియు అవసరమైతే రోగిని సమీపంలోని ఆసుపత్రికి తీసుకెళ్ళండి.

విరుగుడు:
నిర్దిష్టమైన విరుగుడు లేదు, లక్షణాలను అనుసరించి మద్దతుగా చికిత్స చేయాలి.

నిల్వ పరిస్థితులు:
1. నీటి ఆవిరితో కలుషితాన్ని నివారించేందుకు వీలుగా, కలుపునాశనిని నిల్వచేసేందుకు ఉద్దేశించిన గదులు లేదా ఆవరణాలు బాగా పటిష్ఠంగా నిర్మించినవై, పొడిగా ఉన్నవై, మంచి వెలుతురు వచ్చేవై మరియు తగినంత చుట్టుకొలతలతో నిర్మించినవై ఉండాలి.
2. కలుపునాశని ఉన్న ప్యాకేజ్‌లను ఇతర వస్తువులను ప్రత్యేకించి ఆహార వస్తువులను నిల్వచేసేందుకు ఉపయోగించే గదులు లేదా ఆవరణాలకు దూరంగా వేరే గదులు లేదా ఆవరణల్లో నిల్వచేయాలి లేదా కలుపునాశని పరిమాణం మరియు స్వభావాన్ని బట్టి వేరే అల్మారాలో తాళం వేసి, ఉంచాలి.

వాడిన ప్యాకేజ్‌లను, మిగులు మెటీరియల్‌ని మరియు కలుపునాశనిని కడిగిన నీటిని పారవేయటం:
1. వాడిన ప్యాకేజ్‌లను పగులగొట్టి నివాస ప్రాంతాలకు దూరంగా నేలలో పూడ్చిపెట్టాలి.
2. వాడిన ప్యాకేజీలను మళ్ళీ వాడకుండా నిరోధించాలంటే వాటిని ఆరుబయట వదిలేయకూడదు.
3. ప్యాకేజ్‌లను లేదా మిగిలిపోయిన మెటీరియల్‌ని మరియు యంత్రాలు కడిగిన నీటిని, వాతావరణం లేదా నీటి కాలుష్యం జరగని విధంగా సురక్షితమైన పద్ధతిలో పార వేయాలి.

రసాయనికమిశ్రమం:	**పరిమాణము**
పైరజోసల్ఫురాన్-ఇథైల్ ఎ.ఐ. (98% బ/బ కనీసం):	71.45% బ/బ
నాఫ్తాలీన్‌సల్ఫోనిక్ యాసిడ్, సోడియం సాల్ట్, ఫార్మల్‌డీహైడ్ గల పాలిమర్:	6.00% బ/బ
సోడియం లిగ్నోసల్ఫోనేట్:	2.00% బ/బ
నాఫ్తాలీన్‌సల్ఫోనిక్ యాసిడ్, డైబుటైల్-సోడియం సాల్ట్ (70%) సోడియం సల్ఫేట్ (30%):	2.00% బ/బ
అమ్మోనియ సల్ఫేట్:	18.55% బ/బ
మొత్తం:	**100.00% బ/బ**

జాగ్రత్తలు: ఈ లేబుల్ పై వున్న పంటలు కాకుండా ఇతర పంటల మీద వాడరాదు.

తయారుచేసినవారు:
నిసాన్ కెమికల్ ఇండస్ట్రీస్ లిమిటెడ్.
కోవా-హైటాట్ సుబాషి బిల్డింగ్, 7-1-3-కోమ్, కాందా-నిషికి-కో,
చియోడ-కూ, టోక్యో-101-0054, జపాన్.

దిగుమతి చేసుకున్నవారు, మళ్ళీప్యాక్‌చేసినవారు మరియు మార్కెట్‌చేస్తున్నవారు:

ఎన్.ఎ.సి.ఎల్. ఇండస్ట్రీస్ లిమిటెడ్
(పూర్వపు నాగార్జున అగ్రికెమ్ లిమిటెడ్)
ప్లాట్ నం. 12-ఎ, సి బ్లాక్, లక్ష్మీటవర్స్, నాగార్జున హిల్స్, పంజాగుట్ట, హైదరాబాద్-500 082, తెలంగాణ, భారతదేశం, ఫ్యాక్టరీ: ఈతకోట-533 238, తూ.గో. జిల్లా , ఆంధ్రప్రదేశ్.

پائرا زوسلفیورون ایتھائل 70% ڈبلیو ڈی جی
سیریس (سسٹمک نباتات کش)
(صرف درآمد کرنے کے لئے)

پائرازوسلفیورون ایتھائل 70% ڈبلیوڈی جی ایک منتخبہ، سسٹمک ، ظاہر ہونے سے قبل اور ظاہر ہونے کے فوری بعد استعمال کیا جانے والا نباتات کش ہے اور اسے چاول میں مختلف اقسام کی گھاس پھوس کو کنٹرول کرنے کے لئے استعمال کرنے کی سفارش کی جاتی ہے۔

پریوگ اور استعمال کے لئے سفارشات:
پائرازوسلفیورون ایتھائل 70% ڈبلیوڈی جی کی چاول میں مندرجہ ذیل گھاس پھوس کو کنٹرول کرنے کے لئے مناسب ہے۔

استعمال کے لئے سفارشات:

(فصلیں)	گھاس کا عام نام	مقدار / ہیکٹیر		پانی کی مقدار (لیٹر)	آخری چھڑکاؤ سے کٹائی کے مابین انتظار کی مدت (دنوں میں)
		س۔ تا۔ (گرام)	دواکی مقدار (گرام)		
چاول	سوانکلی آہی دھندھگاس پان پتی ہامے درھاما	21	30	500	43

استعمال کا وقت:
گھاس پھوس کے ظاہر ہونے سے پہلے چھڑکاؤ کیا جانا چاہئے اور یہ چھڑکاؤ چاول کے پودے لگانے کے 4 تا 7 دنوں کے بعد کیا جانا چاہئے۔

استعمال کا طریقہ:
دوائی کی ضروری مقدار ناپیں اور اسے تھوڑے پانی میں اچھی طرح ملالیں۔محلول کو اچھی طرح ہلاتے ہوئے باقی ماندہ پانی بھی اس میں ملالیں۔مناسب اسپریئر کی مدد سے چھڑکاؤ کریں، جیسے نیپ سیک اسپریئر جس میں ہربیسائڈل نوزل فٹ ہو (فلٹ فین نوزل)۔فی ہیکٹیر کے لئے 500 لیٹر پانی استعمال کریں۔

فصل پر زہریلا پن:
سفارش کے مطابق استعمال کرنے پر یہ پروڈکٹ زہریلا نہیں ہے۔

احتیاط:
1۔ اسپرے تیار کرنے کے لئے کھانا پکانے والے برتنوں کا استعمال نہ کریں۔
2۔ اسپرے کے محلول کو ہلانے کے لئے ننگے ہاتھوں کا استعمال نہ کریں۔اسپرے کے محلول کو ہلانے کے لئے چھڑی کا استعمال کریں۔
3۔ بچوں، کھانے پینے کی اشیاء، جانوروں کے چاروں، گرمی اور کھلی آگ کی لپٹوں سے دور رکھیں۔
4۔ سانس کے ذریعے جسم میں داخل ہونے اور آنکھوں کے رابطے میں آنے سے بچائیں۔
5۔ چھڑکاؤ کرتے وقت جلد کے رابطے میں آنے سے بچانے کے لئے دستانے، حفاظتی کپڑے، ماسک، چشمے، بوٹ پہنیں۔
6۔ چھڑکاؤ صرف ہوا کے بہاؤ کی سمت میں ہی کریں، اس کے مخالف نہیں تا کہ اس کے چھینٹیں آپ کے جسم پر نہ پڑیں۔
7۔ نوزل کو منہ سے نہ پھونکیں۔
8۔ پروڈکٹ کا استعمال کرتے وقت کھانے، پینے یا سگریٹ نوشی سے گریز کریں۔
9۔ استعمال کے بعد اسپریئر، بالٹی اور دوسرے برتنوں کو پانی سے صاف کریں۔
10۔ کام ختم ہونے کے بعد صابن اور ڈھیر سارے پانی سے ہاتھ دھوئیں اور کپڑے بدلیں۔آلودہ کپڑے بھی دھوئیں۔

زہر کی علامات:
سانس لینے میں تکلیف، پتلی ٹٹی، لگاتار آنکھوں سے پانی نکلنا، رال بہنا۔

ابتدائی علاج کا طریقہ:
1۔ معدے یا شکم میں زہر چلے جانے پر، مریض کو گرم پانی میں ایک چمچہ نمک دے کر قے کروانا چاہئے۔ یہ عمل اس وقت تک دہرائیں جب تک قے صاف نہ ہونے لگے۔ اگر ضروری ہو، تو 5% سوڈیم بائی کاربونیٹ کے محلول کی مدد سے پیٹ کی دھلائی کریں۔
2۔ آلودہ جلد کو صابن اور ڈھیر سارے پانی سے دھوئیں اور آلودہ کپڑے نکال کر مریض کو تازہ ہوا میں لے جائیں۔
3۔ اگر آنکھیں آلودہ ہوئی ہوں، تو آنکھوں کو کم از کم پانچ منٹوں کے لئے پانی کے چھپاکے دیں اور ڈاکٹر کو دکھائیں۔
4۔ معالج کو فوری طور پر بلائیں اور اگر ضروری ہو تو مریض کو قریبی اسپتال لے جائیں۔

علاج کے لئے دوا:
کوئی مخصوص تریاق نہیں۔علامات کے مطابق اور تعاون کے اعتبار سے علاج کریں۔

ذخیرہ:
1۔ نباتات کش کا ذخیرہ کرنے والے کمرے یا جگہیں اچھی طرح بنی ہوئی، خشک، روشن اور ہوادار ہونے کے علاوہ اچھے خاصے رقبے کا ہونا چاہئے تا کہ بخارات کے سبب ماحولیاتی آلودگی نہ ہو۔
2۔ نباتات کش رکھنے والے ڈبوں کو علیحدہ کمروں یا جگہوں میں ایسے کمروں یا جگہوں سے دور رکھنا چاہئے جن کا استعمال دوسری اشیاء رکھنے کے لئے کیا جاتا ہے، خاص طور پر کھانے کی چیزیں رکھنے کے لئے۔ ان ڈبوں کو، ان کی مقدار اور نباتات کش کی فطرت کے مطابق علیحدہ الماریوں میں مقفل رکھنا چاہئے۔

استعمال شدہ ڈبوں، فاضل مواد اور نباتات کش کی واشنگ کا زیاں:
1۔ ڈبے یا فاضل مواد اور مشینوں اور ڈبوں کی واشنگ کو محفوظ طریقے سے اس طرح ضائع کرنا چاہئے کہ ماحولیاتی یا آبی آلودگی نہ ہو۔
2۔ استعمال شدہ ڈبوں کے دوبارہ استعمال کو روکنے کے لئے انہیں باہر نہ چھوڑیں۔
3۔ ڈبوں کو توڑ کر آبادی اور آبی ذخیرے سے دور دفن کیا جانا چاہئے۔

کیمیائی مرکب:

پائرازوسلفیورون ایتھائل اے آئی (کم از کم 98% وزن/ وزن)	71.45% وزن/ وزن
نیفتھالین سلفونک ایسڈ، سوڈیم نمک، فورمل ڈیہائڈ سے مزین پولیمر	6.00% وزن/ وزن
سوڈیم لگنوسلفونیٹ	2.00% وزن/ وزن
نیفتھالین سلفونک ایسڈ، ڈائی بیوٹائل۔سوڈیم نمک (70%) سوڈیم سلفیٹ (30%)	2,00% وزن/ وزن
امونیم سلفیٹ	18.55% وزن/ وزن
کل	**100.00% وزن/وزن**

ٹھېۆن:- یتھ پرچس پٹھ درج فصلو بغٲری باقی کُنہِ تہِ فصلن پٹھ چُھ یہِ دوا استعمال کرُن منع۔

تیار کردہ:
نیسان کیمیکل انڈسٹریز لمیٹیڈ
کوواہٹاٹ تسوباشی بلڈنگ ،3-1-7 کوم ،کلنڈ ہ نیشیکی ۔کو، چیوڑا۔کو۔ٹو کیو 101-0054 ، جاپان۔

درآمد، دوبارہ اور مارکیٹنگ کرنے والے:
این اے سی ایل انڈسٹریز لیمیٹیڈ
(جو پہلے 'ناگ ارجن ایگری کیم لمیٹیڈ' کے نام سے جانی جاتی تھی)
پلاٹ نمبر A-12، "C" بلاک، لکشمی ٹاورس، ناگر جنا ہلز، پنجہ گٹہ، حیدرآباد۔ 082 500 **تلنگانہ انڈیا**
فیکٹری : ایتھا کوٹہ۔ 238 533 ، ایسٹ گوداوری ڈسٹرکٹ ، آندھرا پردیش ، انڈیا۔

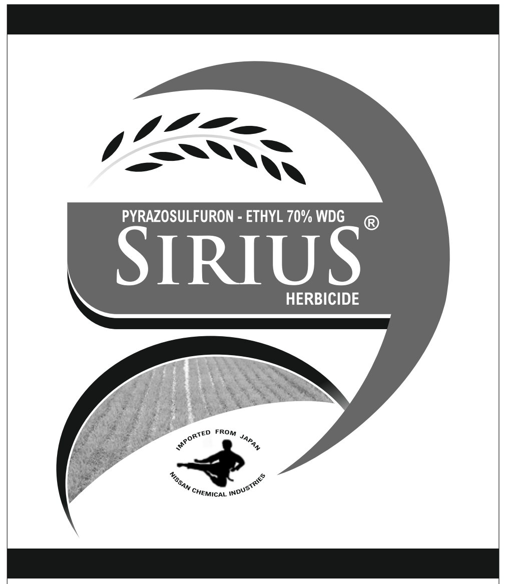

Keep out of the reach of children
Keep in cool dry place away from heat or open flame
बच्चों की पहुँच से दूर रखिए.
सूखी और ठंडी जगह पर खुली आग से दूर रखें।
పిల్లలకు దూరంగా ఉంచండి.
ఎక్కువ ఉష్ణోగ్రత తగులకుండా చల్లని పొడి వాతావరణములో నిల్వఉంచాలి.

সাৱধান
ਸਾਵਧਾਨ
सावधान
CAUTION

READ THE ENTIRE LEAFLET BEFORE USE.
ఉపయోగించుటకు ముందు కరపత్రమును పూర్తిగా చదువండి
इस्तेमाल करने से पहले सारी पर्ची पूरी पढिए।

సిరియస్	**सीरियस**
ಸಿರಿಯಸ್	**সিৰিয়চ**
சீரியஸ்	**ਸਿਰਿਯਸ**

Manufactured by:
NISSAN CHEMICAL INDUSTRIES, LTD.
Kowa - Hitotsubashi Building, 7-1, 3-Chome,
Kanda-Nishiki-Cho, Chiyoda-Ku,
Tokyo - 101-0054, Japan

NAGARJUNA
NACL

Imported, Repacked and Marketed by:
NACL Industries Limited
(formerly known as 'Nagarjuna Agrichem Limited')
CIN:L24219TG1986PLC016607
Regd.Off.: Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers,
Nagarjuna Hills, Panjagutta,
Hyderabad - 500 082, Telangana, India.
Ph: 040-33605123, Fax:040-23350234
Website: www.naclind.com, E-mail:info@naclind.com
Factory: Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.
NACL/H/SIRIUS/03/MAR18

In case of any complaints, please contact, Consumer Care Cell-Executive, Phone 040-2335 0235, Email: customercare@naclind.com
NACL Industries Limited, Regd. Off.: Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers, Nagarjuna Hills, Panjagutta, Hyderabad - 500 082, Telangana, India

SIRIUS ® is registered Trade Mark of Nissan Chemical Industries, Ltd. Japan
EMPTY PACKAGES/ CONTAINERS SHOULD BE DESTROYED AFTER USE

Warranty: The Recommendation made in this literature are offered in good faith based on the results of officially approved private tests. However, no responsibility will be accepted by us for any injury or damage arising from the use of our product as we cannot exercise any control over storage, handling or application.